3गरत की राजपत्र

.पाधिकार से प्रकाशित

सं० 46] 46 नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 14, 1987 (कार्तिक 23, 1909)

No. 46 | 46 NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 14, 1987 (KARTIKA 23, 1909)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जितसे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III---खण्ड 1 [PART III-SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महातेष्ठापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्य कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 16 अक्तूबर 1987

सं० 5/12/85-रा० भा० (स) — केन्द्रीय सचिवालय राजः भाषा सेवा (समूह "क" और समूह "ख" पद) नियम, 1983 के नियम 7 के अंतर्गत गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की मिफारिश पर राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यवितयों को निदेशक (रा० भा०) जिसका वेतनमान 3700-5000 रुपये हैं, के पद पर उनके नाम के आगे लिखी तिथियों में नियमित आधार पर महर्ष नियुक्त करते हैं ---

ऋ० 'नाम	नियमित	कार्यालय जहां अभी
सं०	नियुक्ति की निथि	कार्यरत हैं । -
L		

1. श्री जगदीण प्रमाद 30-5-86 स्वास्थ्य और परिवार . गुष्त कल्याण मंत्रालय
1-326GI/87 (8679) 2. श्रीओ ० पी० वर्मा

8-4-86 दूरसंचार विभाग

वीरेन्द्र पाल सिंह उप सचिव

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

> आर० एस० सहाय उप निदेशक

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

मई दिल्ती-110003, दिनाक 15 अक्तूबर 1987

स० डी० एफ०-8/86-स्थापना-I--श्री अब्दुल मसीद सहायक कमाण्डेट की सेवाए, उत्तर प्रदेण सरकार को इनके अवर पृलिम अधीक्षक (आरमोरर) पद पर प्रतिनियृक्ति आधार पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप दिनांक 17-9-87 (अपराह्न) से सौपी जाती है।

दिनाक 16 अक्तूबर 1987

मं० ओ० पी० 959/72—स्थापना—1-अश्री एम०एम० निम, सहायक क्माडेट, 75 बटा० के० रि० पु० बल का दिनांक 15-1-1987 को देहान्त होने के नदुपरान्त दिनांक 16-1-1987 (पूर्वाह्म) से उन्हें इस यल की गणना से निकाला जाता है।

सं० डी० एफ० 27/85-स्थापना-!--डा० एम० गुप्ता, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, के० रि० पु० बल की सेवाए राष्ट्रीय मुरक्षा गार्ड को इनके ग्रुप कमाण्डर (चिकित्सा) पद की नियुक्ति, प्रतिनियुक्ति आधार पर होने के फलस्वरूप दिनांक 31-8-87 (अपराह्म) से सौंपी जाती है।

भोला नाथ सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा वल

निई दिल्ली-110003, दिनांक 13 अक्नूबर 1987

सर्ह-15014/16/86-कार्मिक-1/86-के औ अपुरुबं मुख्यालय के निम्नलिग्नित अनुभाग अधिकारियों ने अपनी परिवीक्षा की अविध संतोषजनक रूप से पूरी कर ली है और अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में, उनके नामों के समक्ष दर्णाई गई तारीखों से उनकी पूष्टि की जाती है —

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	अषधि को मंत्रोष-	अनुभाग अधिकारी के रूप में पुरिट- करण की नारीख
1	2	3	4
	—————— पर्वश्री		<u></u>
1 Q	स० सी० गम्भीर	25-11-1986	26-11-1986
2 वि	वष्णु चागरानी	25-11-1986	26-11-1986
3 ए 	स० एन० अरोडा	16-6-1987	17-6-1987

दुर्गामाधव मिश्र, महानिदेशक/केऔस्य

वित्त मंत्रालय

. आर्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनाक 18 अक्तूबर 1987

नस्ती स० बी० एन० पी०/सी०/5/87—केन्द्रीय प्रशासनिक दिब्यूनल के दिनाक 6-8-86 के निर्णय के अनुपालन में श्री बी० के० कटारिया, उप कार्य अभियंता (यान्निकी) को बैक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में 12-2-85 (पूर्वाह्न) से 3-7-86 (अपराह्न) की अवधि हेतु रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "व्य" राजपन्नित) के पूर्व पुगरीक्षित वेतनमान में तदर्य आधार पर महायक अभियंता (यांविकी) के पद पर नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्त श्री डी० आर० मान मिह के अभियंता के पद पर पदोन्नित के कारण अल्पाबधि शृंखला रिक्त (चैन वेकेसी) के अन्तर्गत है।

इस अस्थायी तदर्थ नियुक्ति से उन्हें उक्त पद पर बने रहने का अथवा नियमित नियुक्ति का भोगाधिकार प्राप्त नहीं है।

> मु० वै० चार महाप्रबन्धक

कार्यालय

महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-1, गुजरात,

अहमदाबाद-380 001, दिनांक 16 अक्तूबर 1987

सं० [स्था(ए०)/जी० ओ०/3/3डी/2155—महालेखा-कार (लेखा परीक्षा)-1, गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित महायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-II गुजरात/राजकोट में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के मामने बनाई गई तारीख से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाना है।

1 थी एस० एस० भट्ट 1-10-87 (अपराह्न से)

उपरोक्त पदोन्नतियां अस्थाई आधार पर है और 1980 एव 1984 की विशेष सिवित आवेदन पत्न सं० क्रमशः 735 एव 388 से मान्नीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है एवं जो केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल् अहमदाबाद में विचाराधीन है।

मं० म्था० (ए) जी० ओ०/3(37)/2162— महालेखा-कार (लेखा परीक्षा-1) गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-11 गुजरात, राजकोट में स्थानापन्त लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई तारीख से अगले आदेण मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

श्री एस० आर० रामानुजम 14-10-1987 (पूर्वाह्म से)

उपरोक्त पदोन्नतियां अस्थाई आधार पर है और 1980 एवं 1984 की विशेष सिविल आवेदन पत्न स० क्रमशः 735 एवं 388 से माननी। गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है एवं केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल अहमदा-बाद में विचाराधीन है।

म० स्था० (ए)/जी० ओ०/3(37)/2182—महा लेखाकार (लेखा परीक्षा)—1, गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित महायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—1 गुजरात, अहमदाबाद में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई तारीख से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

श्री ए० वी० विजयगोपालन, 19-10-1987 (अपराह्म)

उपरोक्त पदोन्नतियां अर्थाई आधार पर हैं और 1980 एव 1984 की विणेप सिविल आवेदन पत्र सं० क्रमश. 735 एवं 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है एवं जें। केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल अहमदावाद में विचाराधीन है।

> स मलूजा वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन), कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—1 गुजरात, अहमदाबाद- 380 001

> > श्रम मंत्रालय (श्रम विभाग) श्रम ब्युरो

शिमला-171004, दिनांक 6 नवम्बर, 1987

सस्या 5/1/87-सी.पी.आई---सितम्बर, 1987 मं आंदा-गिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभाकता मृत्य सूचकाक (आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1987 के स्तर 736 में 9 अंक बढ़ कर 745 (सात सौ पैंतालीस) रहा। सितम्बर, 1987 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिकितित किए जाने पर 905 (नी सौ पांच) आता है।

बल रामं संयुक्त निदशक श्रम मंत्रालय,

श्रम ब्यूरां,

उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्तूबर 1987

स० 12(27)/61-प्रशा० (राज०)—सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, इम्फाल के निदेशक डाँ० एस० बी० श्रीवास्तव को दिनांक 31-8-87 (अपराह्म) को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त किया जाता है।

सं० ए० 19018(318)/79-प्रणा० (राज०)--राष्ट्र-पति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा मे सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चर्म/पादुका), श्री आम प्रकाण को, लघु उद्योग सेवा रास्थान, हैंदराबाद में, उप निदेशक (चर्म/पादुका) के पद पर दिनांक 16-9-87 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रणारान अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनाक 20 अन्तूबर 1987

राज एज-1/1(462)—निदेशक पूर्ति (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में स्थायी महायक निदेशक (ग्रेड-1) और उप निदेशक के पद पर स्थानापन रूप में कार्य कर रहे श्री एसक एलज सखूजा अधिविधिता की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 30 मितम्बर, 1987 के अपराह्म में मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एच० सी० प्रेमी, उप-निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 अक्तूबर 1987

सं० 5537बी०/ए०-19011 (1-टी० आर० के०)/ 86-19ए--राष्ट्रपति जी ताल्लुरी राज कुमार को भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर 2200-75-2800-द० री०-100-4000 रु० के न्यूननम बेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेण होने तक 16-7-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

कलकत्ता-700016, दिनाक 14 अक्तूबर 1987

सं० 5508वी०/ए०-19012 (गू० एग० डी०)/86-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भार- तीय भूबैज्ञानिक मर्बेक्षण के बरिष्ठ तकनीकी महायक (ष्ट्रिलिंग) श्री यू० ए.स० दूबे को ड्रिलर के पद पर, बेतन नियमानुसार 2000-60-2300-दें० रो०-75-3200-100-3500 रु० (संग्राधित नेतनमान) के बेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 19 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्म में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

एच० एन० मीना, विशेषाधिकारी (सतर्कता) एवं निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैद्यानिक सर्वेक्षण

आकाणवाणी महानिदेणालय नई विल्ली, विनांक 9 अक्तूबर 1987

मं० 5(21) 70-एम 1(बी)--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे० सी० नेमा प्रमारण निष्पादक, आकाशवाणी, भोपाल को आकाशवाणी महानिदेशालय की फाइल संख्या 4-8-87-एम० एक (बी) में जारी आदेश संख्या 79/87-एम० एक (बी) दिनांक 28-8-87 में निहित शर्तों के आधार पर 18-4-1983 में अगले आदेश तक, अस्थाई रूप में, नेशनल आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करने हैं।

- 2. श्री जे० सी० नेमा न आकाणवाणी, भोपाल में 22--9--1987 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संगोधन पूर्व के वेतनमान क्रमश: 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए है।

सं० 5(40) 70-एस 1(बी)—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० भास्करन प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कालीकट की आकाशवाणी महानिदेशालय की फाइल सख्या 4-8-87-एस एक(बी) से जारी आदेश सख्या 79/87-एस एक(बी) दिनांक 28-8-87 में निहित णर्ती के आधार पर 18-4-1983 से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप में, नेशनल आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री एम० भास्करन ने आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम में 9-9-1987 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संशोधन पूर्व के वेतनमान क्रमशः 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 क्पण तथा 650-30-740-35-810-द० रो०-40-1200 क्पण है।

सं० 5(64) 70-एस 1 (वी०)—महानिदेणक, आकाण-वाणी, एनद्द्वारा श्री आर० वी० पोट्टी प्रसारण निष्पादक, आकाणवाणी, विचुर को आकाशवाणी महानिदेणालय की फाइल संख्या 4-8-87-एस एक (बी) से जारी आदेश संख्या 79/87-एस एक (बी) दिनांक 28-8-87 में निहित कर्तों के आधार पर 18-4-1983 से अगले आदेश तक, अस्थ ई रूप में, नोशनल आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री आर० बी० पोट्टी ने आकाणवाणी, कालीकट में 15-9-1987 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संशोधन पूर्व के वेतनमान क्रमण: 2000+60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 स्पए है।

सं० 5(76) 70-एस-1 (वी)—महानिवेशक, आकाश-वाणी, एतद्वारा श्री ए० एस० गोवित्कर, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, पुणे को आकाशवाणी महानिवेशालय की फाइल सख्या 4-8-87-एस एक (वी) से जारी आदेश संख्या 79/87-एस एक (वी) दिनाक 28-8-87 में निहित गर्ती के आधार पर 18-4-1983 में अगले आदेश तक, अस्थाई रूप में, नोशनल आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री ए० एस० गोवित्कर ने आकाणवाणी, पणजी में 18-9-87 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संशोधन पूर्व के वेतनमान क्रमश: 2000-60-2300-द॰ रो॰-75-3200- 100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 रुपए है।

सं० 5(131)/70-एस श्राई(बी)--महािदेशक, श्राकाश-वाणी, एनद्द्वारा एस० एम० रानीगा प्रमारण िद्धादक, आकाशवाणी राजकाट को श्राकाशवाणी महाितंदेशालय की फाइल संख्या 4/8/87-एस एक (बी) से जारी श्रादेश संख्या 79/87-एस एक (बी) दिताक 28-8-87 में िहिन शतीं के श्राधार पर 18-4-1983 से श्रगले श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप में, नेशानल श्राधार पर कार्यक्रम िध्यादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. एस० एम० रानीगा ने स्नाकाशवाणी, स्नहमदावाद मे 11-9-87 को कार्यकम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम िष्पादक के संगोधित तथा संगोधन पूर्व के वेतनमान क्रमश: 2000-60-2300-द० रो०-75- 3200-10.0-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए है।

- मं० 5(24) 72-एम 1(बी)--महानिदेशक, श्राकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री ए० वी० मुब्बाराव प्रमारण निष्पादक, श्राकाशवाणी, श्रीरंगाबाद की श्राकाशवाणी महादिशालय की फाइल संख्या 4/8/87-एस एक (बी) से जारी आदेश संख्या 79/87-एम एक (बी) दिनांक 28-8-87 में निहित शर्ती के श्राधार पर 18-4-1983 में श्राले श्रादेश नक, ग्रस्थाई रूप में, नोशनल ग्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री ए० बी० सुब्बाराव ने श्राकाशवाणी, विजयवाड़ा में 10-9-1987 को कार्यक्रम िष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर सिया है।
- 3. कार्यक्रम िष्पादक के प्रातित तथा संशोध र पूर्व के वेतनमान क्रमश: \$\frac{1}{2000-60-2300-} \text{do} 75-3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए है।
- सं० 5(21) 72-एस 1(बी)--महानिदेशक, श्राकाश-वाणी, एनद्द्वारा श्री गिरिन्द्र प्रसाद प्रमारण िशपादक, श्राकाण-वाणी रांची को श्राकाशवाणी महानिदेशक की फाइन सख्या 4/8/87-एस एक(बी) से जारी श्रादेश सख्या 79/87-एस एक(बी) दिनाक 28-8-87 में निहित शर्नी के श्राधार पर 18-4-1983 से श्रगले श्रादेश तक, श्रस्थाई रुप में, नोशनल श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री गिरिन्द्र प्रसाद ने आकाशवाणी, सूरतगढ़ में 17-9-1987 को कायऋम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम िष्पादक के संशोधित तथा संशोधि। पूर्व के वेतनमान कमशः 2000-60-2300—द \circ रो \circ -75-3200—100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35न्810—द \circ रो \circ -35-880-40-1000—द \circ रो \circ -40-1200 रुपए हैं।

विनाक, 15 ग्रक्तूबर 1987

- स० 5(23) 70-एस 1(बी)--महानिदेशक, आकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री ग्रार० डी० चौधरी प्रसारण िष्पादक, ग्राकाशवाणी, पटा को ग्राकाणवाणी महानिदेशालय की फाइल सख्या 4/8/87-एम एक(बी) से जारी ग्रादेश मख्या 79/87-एस एक(बी) दिनाक 28-8-87 में निहित शर्ती के ग्राधार पर 18-4-1983 से ग्राले ग्रादेश तक, ग्रस्थाई रूप मे, नेशानल ग्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री स्नार० डी० चौधरी न श्राकाशवाणी, राची में 11-9-1987 की कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर निया है।

- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संशोधन पूर्व के वेतनमान क्रमश: 2000-60-2300-दे० रो०-75- 3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-दे० रो०-35-880-40-1000-दे० रो०-40-1200 रुपए है।
- सं० 5(12)71-एस 1(वी)—महानिदेशक, ग्राकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री जीठ सम्पत, प्रसारण निष्पादक, ग्राकाशवाणी, तिरुनेलवेली को प्राकाशवाणी महानिदेशालय की फाइल संख्या 4/8/87-एस एक (बी) से जारी श्रादेश संख्या 79/87-एस एक (बी) दिनांक 28-8-87 में निहित शर्तों के ग्राधार पर 18-4-1983 से श्रगले ग्रादेश तक, ग्रस्थाई रूप में, नोशनल ग्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री जी० सम्पत ने ग्राकाणवाणी, तिरुनेलवेली में 9-9-1987 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संशोधन पूर्व के वेतनमान क्रमश: 2000-60-2300—दः रो०-75-3200-100-3500 रुपए. तथा 650-30-740-35-810—दः रो०-35-880-40-1000—दः रो०-40-1200 रुपए है।

दिनाक 19 ग्रम्तुबर 1987

- सं० 5(20)/71-एस ग्राई(बी)--महानिदेशक, श्राकाश-वाणी, एतद्दारा श्री सी० पी० पटेल प्रसारण निष्पादक, श्राकाश-वाणी बम्बई को श्राकाशवाणी महानिदेशालय की फाइल संख्या 4/8/87-एस एक(बी) से जारी श्रादेश संख्या 79/87-एस एक(बी) दिलंक 28-8-87 में निहिन शर्तों के श्राधार पर 18-4-1983 से श्रगले श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप में, नोणनल श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- श्री सीं० पी० पटेल ने श्राकाशवाणी, नागपुर में 28-9-1987 को कार्यक्रम निष्यादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्थकम निष्पादक के संगाधित तथा संगाधित पूर्व के वेतनमान क्रमण: 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए है।
- सं०5(101)/70-एस-आई(बी)--महानिदेशक, श्राकाश-वाणी, एनद्द्वारा यू० एस० गुप्ता प्रसारण निष्पादक, श्राकाशवाणी, गोरखपुर को श्राकाशवाणी महानिदेशालय की फाइल संख्या 4/8/87-एम एक(बी) से जारी श्रादेश संख्या 79/87-एस एक (बी) दिनांक 28-8-87 में निहित शर्ती के श्राधार पर 18-4-1983 से श्रगले श्रादेश नक, ग्रस्थाई रूप मे, नोणनल श्राधार पर कार्यंक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री यू० एस० गुष्ता ने श्राकाणवाणी श्रागरा में 5-9-1987 को कार्यक्रम िष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संगोधित तथा संगोधित पूर्व के वेतनमान क्रमण. 2000-60-2300—द० रो०-75—3200-100-3500 कपण तथा 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 रुपए है।

विनांक 20 प्रक्तूबर 1987

- 2. श्री एस० के० मंडल ने श्राकाणवाणी, सिलीगूरी में 4~9~87 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3. कार्यक्रम िष्प।दक के संगोधित तथा संशाधाः पूर्व के वेतःसान क्रमण. 2000-60-2300-दः गे०-75- 3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-दः गे०-35-880-40-1000-दः गे०-40-1200 रुपए है।

सं० 5(55)/70-एस-I(बी)---महािदेशक, श्राकाण-वाणी, एतद्वारा श्री बुध प्रकाश प्रसारण िद्धादक, आकाणवाणी, गई दिल्ली को आकाशवाणी महािद्यालय की फाइल सख्या 4/8/87-एस एक(बी) से जारी आदेश संख्या 79/87--एस एक(वी) दि तक 28-8-87 में निहित शर्ती के श्राधार पर 18-4-1983 से श्राले श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप में, नोशनल श्राधार पर कार्यक्रम िष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- श्री बुध प्रकाण ने श्राकाणवाणी, रोहतक मे 5-9-87 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।
- 3 कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संशोधन पूर्व के वेतनमान क्रमश: 2000-60-2300-दं रोज-75-3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810-दं रोज-35-880-40-1000-दं रोज-40-1200 रुपए है।

मं० 5(58)/70-एम-I(बी)—महानिदेशक, त्राकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री एम० ए ा० सोनवाने प्रसारण िणपादक, भ्राकाशवाणी, बम्बई को भ्राकाशवाणी महानिदेशालय की फाइल संख्या 4/8/87-एस एक (बी) से जारी श्रादेश संख्या 79/87-एस एक (बी) दिनाक 28-8-87 में िहित शर्तों के आधार पर 18-4-1983 में श्रायेश तक, श्रस्थाई रूप में, नोशनल श्राधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

- श्री एस० एन० सोनवाने ने स्राकाशवाणी, नागपुर में 18-9-87 को कार्यक्रम निष्पादक का कार्यभार ग्रहण कर िया है।
- 3. कार्यक्रम निष्पादक के संशोधित तथा संशोधन पूर्व के वेतनमान क्रमशः 2000-60-2300—द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए तथा 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 रुपए है।

ईश्वर लाल भाटिया, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिवेशक

नई दिल्ली, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1987

मं० 1/39/87-एम०-II--प्रशासनिक म्रधिकारी के ग्रेड में श्रपनी पदोन्नति के परिणामस्वरूप श्री वी० एम० नागमोथे ने 24-9-1987 (पूर्वाह्म) से अधीक्षक इंजीनियर, राष्ट्रीय चैतल, आकाणत्राणी, नागपुर में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

म्राई० एस० पाधी, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 15 स्रक्तुबर 1987

मं० एम०/2882/चिकि०/स्था० 1/5762—डा० (कु०) भावना रामलाल मिस्त्री ने रेसिडेंट चिकित्सा ग्रिधि० (नि० ग्र० नि०) पद का पदभार 31-8-1987 ग्रपराह्म को त्याग पत्न देने पर छोड़ दिया।

के० वेकटक्रप्णत, उपस्थापना अधिकारी

समाहत लिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क

बम्बई-100 028, दिनांक 16 म्रक्तूबर 1987

मं ० 11/39-26/86-दी ० एच ऽ/14606--केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, बम्बई-III के निम्मलिखित श्रेणी निरीक्षकों की पदोन्नति पर उनके नामों के ग्रागे दिशान तिथि से बम्बई—III केन्द्रीय जलाध शुल्क ममाहर्नालय में मम्ह "ख" के रूप में कार्यभार मभान लिया है:——

ऋ o सं o	नाम		कार्यभार संभालने की तारीख
1	2		3
1. ₹	विश्री ए म० एम० देमाई		20-5-1987
2.	,, पी० बाई० काले .	•	20-5-1987
3.	,, पी०बी०गुप्ता .	•	20-5-1987
4.	,, एम० एस० णेट्टी .	•	20-5-1987
5.	,, एम०बी०जोशी	•	20-5-1987
6. 8	त्रीमती एम० पी० देशपा ^{ण्डे}	•	20-5-1987
7. ₹	विंश्री एम० वी० जोशी .	٠	20-5-1987
8.	,, ए० एम० रोहिरा		21-5-1987
9.	,, एम० स्रार० मुनोली		21-5-1987
10.	,, डी० एम० बकनेटी		21-5-1987
11.	,, ग्रार०के०नायर .		21-5-1987
12.	,, बी० एस० मुलचन्दानी		21-5-1987
13.	,, एम० इब्ल्यू ० भिसे	•	3-6-1987
14.	,, डी०डी०सोमानी .	•	31-7-1987

ग्रार० के० थावानी, ममाहर्ना केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई–III

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-110 066, दिनाक 15 प्रस्तूबर 1987

मं० ए०-19012/1179/86-म्यापना-पांच--ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री दिलीप कुमार सोम, किट श्रीभयंता को श्रितिरिक्त महायक निदेशक/महायक श्रीभयंता (इंजी-ियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-दक्षता रोध-75-3200-100-3500/- रुपए के वेतामान में दिनांक 1-9-1986 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की ग्रंबिय के लिए ग्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण श्रस्थाई तथा तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० महादेव श्रय्यर, प्रवर सचिव केन्द्रीय जन श्रायोग

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड फरीशवाद, दिनांक 21 ग्रक्तूबर 1987

सं० 3-831/87-भू० जल भू० (स्था०)--श्री अलापारथी श्रीतिवास को दितांक 9-9-87 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समूह-ख (राजपित्रत) मूल वेतत 2000/- रुपये प्रति माह पर परि-गांधित वेतामान 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- रुपये में अस्थाई तौर पर केंद्रीय भूमिजल वोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोगाल में निय्कत किया जाता है।

बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जलभ्विज्ञानी एवं सदस्य प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

काविषय, सहायक आयकार आय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 ए, बम्बर्ध बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987 $^{\prime\prime}/^{5}$ निर्देण सं० अर्द $-1/\nu/37$ ईई/299/-86-87—अतः, मुझे, एम० सी० जोशी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/৮ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं० 46, तल मंजिल, अशोका शापिंग मेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई 500001 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुचली में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है तारीख 26-3-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:-~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिबिधा की लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟→

- मैसर्स पुरी कन्स्ट्रनशन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2 पी० पी० कोटन सिण्डीकेट।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारांश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्भित में हितबद्द्रथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का. जो उत्तम अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नग्स्पी

शाप नं० 46, जो तल मंजिल अशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कै० सं० अर्द 1ए/37ईई/299/86— 87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28—3—1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोजी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

तारीख: 15-10-87

प्ररूप आहें, टी. एन. एसा.----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज १ ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अक्तूर, 1987

निर्देश स० अई $-1 \, \text{ए}/37 \, \text{ईई}/298/86-87--अत: मुझे, एम० मी० जोशी,$

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रु. में अधिक हैं

और जिसकी सख्या शाप नं० 43, पहली मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-40005 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-3-1987

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए?

कतः कत, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के हारीन, निक्निसिक्ति त्यक्तियाँ, अधित :----2—326GI/87

- 1. पूरी कन्द्रवशन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. जी० पी० टेक्सटाइल । (अन्तरिनी)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

धनुसूची

ह्याप नं० 43, जो पहली मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुमूची जैमा कि कि ने अई-1 ए/37ईई/298/86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक <math>26-31987 को रजिस्टर्ड किया गया है

एम० सी० जोशी, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1 ए. बस्बई

तारीख . 15-10-1987 मोहर: प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 अक्तूबर, 1987 निर्देशसं० अई-1 ए/37ईई/301/86-87--अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं० 42, पहली मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धौरा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26-3-1987।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के एवंग्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह िण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (') के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- पुरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्सरक)
- 2. अर्जुन टेक्सटाइल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

दक्त कुमारित के कुर्वन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की जबिभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 बिन की जबिभ, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 4) दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ममुस्ची

शाप नं० 42, जो पहली मंजिल, अशोका शापिंग, सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ़॰ सं॰ अई 1 ए॰ 37ईई-301/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1987 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

दिनांक: 15-10-1987

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) नहीं थाद्वा 269-च (1) के वधीन झूलगा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई बम्बई, बिनांक 15 अक्तूबर, 1987 निर्देश सं० अई-1ए/37ईई/315/86-87-अत: मुझे, एम०

सी॰ जोशी,

बावकर गणितिनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उन्त गणितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कर्य हैं कि स्थापर सम्मित, .जिसका उदिश्व बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी संख्या 44 अशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में मजिस्ट्री है तारीख 4-4-1987।

सं क्योंकत संस्पत्ति के उचित बाबार मृत्य के कर के स्ववान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते दह विश्वास करने का कारण है कि यंभाप्बोंकत सम्मित्त का उचित बाजार कृष्य क्रियान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का कृष्य क्रियान से अधिक है और जैनरक (अंतरका) और बंसरिती (सन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा पवा क्रियाय, विश्वासिक उद्देशों से क्या बन्दरण किंकित के सक्तिक का बन्दर वहीं क्या क्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-श्विक की बधान कर दोन के कचारक की बायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों होते, चिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (14?2 का 11) या उन्त अधिनियम, या खन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं अधायकार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किन। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- पुरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड।
 (अन्तरक)
- पुरी कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्ष्मेयवा मिकां अरुता हूं।

उपत राज्यति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांप 🖚

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्यीथ बाद में समाप्त होती हो, के शीपर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्मता के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच व 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिखा-क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाद्देस्ताकारी के पास चिकित में किए जा सकीये।

न्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को अक्त गौधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हानए, जा उस अध्याय में विष्ट यश हैं।

वन्स्पी

शाप नं० 44, जो, श्रमोका मापिंग सेंटर, एल० टी० रोड बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क सं० अई 1 ए/37ईई/315/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निीक्षण), अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

तारीख: 14-10-1987

प्रकृप बाह् . टी . इन . इस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बाबीन स्वता

नारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987
निर्देशसं० अई-1ए/37ईई/316/86-87---अतः मुझे, एम०
सी० जोशी.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसमें प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या शाप नं 16, तल मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल टी रोड बम्बई-400001 में स्थित हैं (और इसमें उपाबज्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई मे रजिस्ट्री हैं, तारीख 4-4-1987

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान शितका के जिद्द अन्वरिक्ष की नदं हैं जूर मुक्ते यह किस्ताल करने का कारण हैं कि सथापूर्वोक्त कथारित कर दिवत काबार शृक्ष, उनमें अवनाम प्रतिकास से होते अवनाम प्रविक्ष क वृष्ट्य प्रतिकात से विधिक हैं जीर बंदरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रमा प्रतिकास निम्नितिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरूप वे हुइ किसी जान की नायत, उचल बहुदिनयम के नपीन कर दोने के अन्तरण के बहुदिनयम में कमी करने वा स्वस्ते वचने में सुविधः जार/मा
- (क) प्रेडी किसी बाब का किसी वन वा अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर नाभिनयम 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्योजनार्थ नन्दिती ब्वारह अकट नहीं किया गर्या वा वा विज्ञा नाम नाहिए ना, किया से साम्राज्य से विज्ञा

नतः सम, उत्कत निधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, धनत निधिनयस की धन्या 269-ग की उनधारा (1) आ जपीन, निजनत्तिचित व्यक्तियों, नर्यात् क्ष---

- 1. पुरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. पुरी कन्द्रकशन लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना वाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिद्ध कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिव की बविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इतार.
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नगृष्यी

शाप नं० 16, जो तल मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि स० अई 1ए/37ईई/31/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टई किया गया है।

एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज 1 ए, अम्बर्ध

·विनोन : 15-10-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज 1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987 निर्देश सं० अई-1ए/37ईई/317/86~87—अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल 5,00,000/- रा से अधिक हैं और जिसकी सख्या णाप नं० 83, नल मजिल, अशोका शापिग सेटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ध्य से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1987

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिवक हुप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसीं आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चर हिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

पुरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड। ...
 (अन्तरक)

2. पुरी कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ' लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया डी।

भ्रनुसूची

णाप नं 83, जो तल मंजिल, अशोका शापिग मेटर, एम० टी० रोड, बम्बई 400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई1ए-37ईई/317/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-3-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी. जोशी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण), अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

विनांक: 15-10-1987

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1), के ब्रभीन श्वना

PARTY STREET

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1987

निर्देश सं ० अई-1ए/37ईई/318/86-87--अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/⊦ रत. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या शाप नं० 71, तल मंजिल, अशोका शार्षिग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई~400001 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एस रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्ष) मन्दरन वे हुए किसी मान 🐠 समस् . जनस वरिष्टियम् में व्यीप् कर यो में बंबरक से गर्पनस्य में असी कर्षे या अक्ल यूचर में सुनिवा के जिए: बोर/पा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्ही भारतीय बामकार विधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उथला अधिनियम. या **धन-कर वांध**निवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्धरिटी बंधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अर्थः जन, उक्त अभिनियम⁻की भारा 269-ग के अनुसरण नै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीम, निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थात :---

- प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----- 1. पुरी कन्स्ट्रनशन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
 - 2. पूरी कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आधाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की सबीध को औ वनिथ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति इवारा;
- (ल) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कै पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 🗈

ननस्वी

शाप नं० 71, जो तल मंजिल, अशोका शापिग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 1 ए/37ईई/318/86-87 औरज जो उक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्दर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

विनांक: 15-10-1987

बच्च बाई.डी.एन.एड. -----

बावधर विधिवयम, 1951 (1961 का 43) की गाउँ 269-म (1) के बचीन स्थान

बारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर जायूनत (निरीक्षण) अर्जन रोज-1 ए, बम्बार्ट

् वस्बई, दिनांक 15 धन्तूबर, 1987 सं० ग्रई-1ए/37ईई-319/86-87:-- ग्रतः मुझे, एम० सी० जोणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पर्याद परवाद रंगका विधिवयम' कहा गया है), की बारा 269-क के वधीन संक्रम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्कत, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मंख्या शाप नं० 43, तल मंजिल, श्रणांका शापिंग सेंटर, बम्बई-400001 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) ग्रीर जिएका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राविकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-4-1987।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मंख्य से क्षत्र के दृश्यमान प्रक्रिक के सिष् क्यारिती की पर् क्यार मुक्ते यह विद्यास क्ष्या का कारण है कि प्रथम्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य , उसके क्ष्यमान प्रतिकान को प्रवास प्रतिकान को प्रवास प्रतिकान को प्रवास प्रविक्त के अधिक है जीर क्यारक (अन्तरका) और क्यारिती (क्यारका) के बीच एमें ब्यायरका के सिए तब क्यारका प्रतिकान विकास क्यारका क्यार

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त वीशीनयंव के सबीस कर देशे के क्यास्ट के कीवस में की सर्व ना वसने क्या में सुविका के निष; नौर/ना
- (ख) ऐसी किसी जन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रकोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिय वा कियाने में सुविधा के किए

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मौं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. पूरी कन्स्ट्रवणन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- 2. पूरी कनस्ट्रक्शन लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करना हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि था तत्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पद स्वा की तानील से 30 दिन की वविध . या भी जबिष बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (स) इस सूधना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्नावर सम्मति में हितक्यूथ किसी जन्म व्यक्ति स्थाय अभोहस्ताकरों के पास सिवित में किस का सर्वोंने ।

अ**न्सृषी**

णाप नं ० 43, जो तल मंजिल, प्रशोका शापिंग सेंटर, एल ० टी ० रोड अम्बई-400001 में स्थित है। " प्रतुसूची जैसा कि क सं ० अई-1ए/37ईई/319/ 86-87 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टई किया गया है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रोज-1 ए, बम्बई

दिनांक : 15-10-1987

गोहर

प्रसप नाभ नी एन , एस -----

बायभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निर्हाक्किक) श्चर्जन रेजाए, बम्बर्ड

वम्बई, दिनाक 15 अस्तुबर, 1987 स॰ अई-1 ए/37ईई/320/86-87:-- प्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 5,00,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या शाप नं० 52, तल मंजिल, श्रशोका णापिंग सेटर, एल० टी० रोड, बम्बई 40001 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वॉर्णन है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधितियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 4-4-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से एसे ध्वयमान प्रतिफल का प्रमाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकार, निम्नसिवित उद्योक्य से उक्त बन्तरण सिवित वे वास्। विक रूप वे कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्दुरुक में हुइ किसी बाय की बावत , उकत विधिनियस की वधीन कर दोने के अस्तरक वा बाबित्य में क्यों कर्ज़ वा उससे बचने में सुविधा को लिए: कौर/या
- (का) एसे किसी बाव या किसी धन या अन्य नास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ वंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा 🐗 निप्र

अत अन, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. पुरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड

(श्रन्तरक)

2 पूरी कल्स्ट्रक्शन रिमिटेड।

(अन्ति√तो)

को यह सुचना जारी करके पर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बार्रन के संबंध में कोई भी आक्षेप एन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशिक्त यक्तियों में से फिली व्यक्ति दशरा.
- (स) इस सूचना को राजपण अं प्रकाशन की नारील स 45 दिन क भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी व्यक्ति धुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गाया है ≀

जनस्वी

शाप नं० 52, जो तल मजिल, अशोका शापिग सेटर, एल० टी० रोड बम्बई-40001 में स्थित है।

ब्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई 21 ए/37ईई320/86⊷ 87 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्द हारा दिनाक 4-1-1987 को रितस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी. सक्षम प्राधिकारी. महायक द्यायकर द्यायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज 1 ए, बम्बई

दिनाक : 15-10-1987

प्रक्य वार्ड . शी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **पारा 269-प (1) के अधीन क्षा**

EIST STAIL

कार्याजय, बद्दायम बायकर बाव्यत (निर्माक्त)

भ्रर्जन रेज 1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 15 म्रक्तूबर, 1987

सं॰ भई-1ए/37 ई/321/86-87 -- म्रतः मुझे, एम॰ सी॰ जोशी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तन प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, चिक्का उचित बाबार मृख्य 5,00,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या जाप न० 84, तल मंजिल, श्रशोका जापिंग सेटर, एए० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप विजत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिज्ञस्दी है, तारीख 4-4-1987

को वृत्तें स्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के मिए अन्तरित की गई है और मृक्षे वह विश्वास मृत्ये यह विश्वास कूरने का कारण है कि वभा वृत्तें स्त संपरित का उपित वाशार मृत्य, संसके स्वयमान प्रतिकास से, एते स्वयमान प्रतिकास का वन्त्रह प्रतिकास से स्वयिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिकास, निम्निकिश्व स्वयोग्य से स्वयं अन्तरण निवत में बास्तिवक स्था से कामित नहुं

- (क) अन्सरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

, जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों जर्धात् :---

- । पूरी कन्ट्रक्णन (बोर्स्बे) प्राद्यवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2 पूरी कन्द्रकशन लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए सार्वपाहिकों करका हूं।

बक्त बज्जित से क्वीन के तस्त्रात्व में कोई भी बाबीर ह—

- (क) इस प्या के रायपण में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की स्वेषि या तत्क्रमण्यी व्यक्तिमों पर स्थान की तानील से 30 दिन की श्वीप, सो की श्वीप नाव में तमान्त होती हो, से भीतर प्रॉक्स व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति दूसरा;
- (व) इस सूचना के रामपत में प्रकाशित की तार्शिय वें
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 वाद निविद में किए वा दकीये।

स्पक्तीकप्ररण :—हासमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित कू... ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वता ही।

अनुसूची

णाप न० 84, जा तल मजिल, श्रशोका णापिग सेटर, एल्ड टीट रोड, बम्बई--400001 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०स० श्रई-1ए/37ईई/321/86-87 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 4-4-1987 को रिजस्टई किया है।

> एम० सी० जोकी, सक्षम प्रौधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्तः (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1 ए, बम्बई

दिनाक 15-10-1987

मोहर

3--326GI/87

विकार कार्याः की . एम . एक ल्लान्सन्तरम् स्टब्स

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर् भारा 269-व (1) के अभीन स्थना ाम 🦖

कार्यास्य , सङ्घायक आवश्वर आवश्वर (विश्वीतक)

प्रजीन रोंज 1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रन्तूबर, 1987

निर्वेश सं० ग्रई-2सी/37ईई-277/86-87-ग्रतः मुझे; एस० सी० जोशो

जायकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (Emd इसमें इसके परवात 'उनत निवनियम' नहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000//- रा. से अभिक हो

भीर जिसकी सं० शाप नं 69 मंजिल, श्रशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूती में श्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित है श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर प्रिधिनियम की धारा 269 क ख भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय, बम्बई में रजिस्दी है तारीख 4-4-1987।

की ध्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अपवसान प्रतिपंत्र के लिए अंतरित की नद्दं ही और मुखे यह विद्वास करने करने का कारण है कि नथापूना नत संपत्ति का श्रीवत नावाद्र ब्रन्य उसके एवयमान प्रतिक्रम सं, एसे स्वयमान प्रतिक्रम का वन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और बंदरक (बंदरकों), बार बंदरिती (बंतरितियाँ) के बीच एचे बंतरण के निए तम पाना नना प्रति-कम निम्नीनिधित सब्बोर्य से जन्मत बंतरण विवित्त में बास्तविक **रूप** से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण वेहरी किसी बाद करी बावता, समझ विविषय वी सभीत कर दोने से बन्तरफ सी वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य अगस्तियों का, चिन्हां भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अदिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अहरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षक अन, उन्त विभिन्तिम की भारा 269-न में जयसर्थ में, 🕯 उन्त अभिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. पूरी कन्स्ट्रमणन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (भ्रत्सरक)
- 2. पूरी कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतिस से वर्षन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्मारित के मर्जन में संबंध में क्रोड़ों ही लामेंच E---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता<u>त्</u>रीय वे 45 विक् की अवधि वा तत्वध्यन्थी व्यक्तिश्वा पक स्चना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियाँ ये वे किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (न) इस स्थान से राज्यन ने प्रकारण की तारीय से 45 दिन के पीतन उक्त स्थान्य प्रभारित में हिस्सम्प किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त व्यक्तिकत दे वध्याव 20-क ने परिवारिक है, बही जर्म होता, को उस बच्चाय में दिया परा

वन्स्यो

मंजिन, अशोका शापिग सेंटर, एल णाप नं० 69, जो टी रोड. बम्बई-400001 में स्थित है।

भ्रनसूची जैसा कि ऋम सं० भ्रई 1 ए/37ईई/277/86-87 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ध्राजीन रोंग 1 ए. बम्बाई

दिनांक: 15-10-87

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, बम्बई बम्बई, दिनाक 15 अक्तूबर, 1987 निदेश सं० अई-1 | 37ईई | 278 | 86-87-- अत मुझे, एम०सी०जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1 00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी स० शाप न० 61, मजिल अशोका शापिग सेटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 268 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख 4-4-1989

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रित्मल के लिए अतिरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त, अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हैं इं िकसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर वने क ज़तरक का अधिन के म कमी करने या उससे बचने म मूर्विधा के िए, सीर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्नियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिच्या के लिए।

अतः भव उक्त अभिनियम की धारा 269 ग क रनमण्य मो, मो, उत्तेल अधिनियम की भारा 260-घ की उपधारा (1) के मधीन नम्नलिखित करी ते, अधन् -- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) पूरी कन्स्ट्रक्शन लि०।

(गअन्तरिती)

को यह मुखना बारी करके पूर्वोक्छ सम्पत्ति की बर्बन के तैक्छ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति की नर्जन के सम्भाग्य में कोई भी बाजाय

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की जनींच, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

शाप न० 61, जो मजिल, अशोका शापिग सेटर, एल०टी० रोड, बम्बई 400001 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० स० अई 10/37ईई/278/86-87 और जे। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 ए, वम्बई

तारीख 15-10-1987 मोहर : ग्रह्म आईं.टी.एनं.एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987
निदेश सं० अई-1ए/ 37ईई/-79/ 86-87-- अतः मुझे,
एम० सी० जोणी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० शाप नं० 127, मंजिल, अशोकां शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-40001 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुचची में और पूर्णरुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है। तारीख 4-4-1987 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण क", मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थास् :---

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।
 - (अन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रक्शन लि०।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

अनुसूची

णाप नं० 127, जो मंजिल, 127, ग्रंगोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में म्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1ए/37ईई/279/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टई किया गया है।

एम० सी० जोशी मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख: 15-10-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987 निदेश सं० अई-1ए/ 37ईई/ 280/ 86-87-- अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 2, मंजिल, अणोका णापिण सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-4-1987

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ब्रूष्यमान प्रतिफल से एसे श्रूष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित धारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सिवधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) पुरी कन्स्ट्रकशन प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) पुरी कन्स्द्रवशन लि०।

(अन्तरकती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का त' 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

शतस ची

शाप नं० 2, जो मंजिल अशोकां शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० अई $1 \frac{v}{37 }$ ईई/280/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ारा दिनांक 4-4-1987 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एम० मी० जौशी नक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज-1ए, बम्बई

नारीख: 15-10-1987

⁴ प्ररूप आर्ह्: टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज 1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987

निदेण सं० अर्ड 1ए/ 37ईई/281/ 86-87—अत: मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० शाप न० 103, मंजिल अशोकां णापिंग सेटर, एल० टी० रोड, बम्बई 1 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णका से बिंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्री है। तारीख 4-4-87 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित

बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरंग से हुई किसी आय की गांवरा उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरंक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एली किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) पुरी क्नस्ट्रकशन (बम्बई) प्रा० लि०।

(अन्सरक)

(2) पुरी कन्स्ट्रक्शन लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारौस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहरनाक्षरी के पास । लेखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा जरे उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

सनसं**ची**

णाप नं० जो मजिल शापिग सेंटर, एल० टी० रोड, वस्वर्ध-40001 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई 10/ 37ईई/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-87 को रजिस्टई किया गया है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकापप उमद्भायक आयकर आयुक्त (निरीक्षमे) अर्जनरें ज—1ए, बम्बई

नारीख: 15-10; 1987

इस्य वार्रं हों. एवं, एवं

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1ए3 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1987 निदेश सं० श्रई 1ए/ 37ईई/ 282/ 86-87-- श्रतः मृझ; एम० सी० जोशी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा नया ही, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्थित वाचार मुख्य 1,00,00€/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० णाप नं० 132, मंजिल, श्रणोका सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई 1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधि— नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है । तारीख 4-4-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यकान अतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार कृत्य, उचके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिकृत से विश्व है और बन्तरक (अन्तर्क्कों) ब्रोड अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तिनिक्त उद्देश्य से उकत अन्तरण विश्वित रें बास्तिक स्प से कथित नहीं किया नथा है है—

- (क) अन्तरण से हुं इंकिसी जास की बाबत, उक्त अिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (क) ए नी किसी बाम या किसी धन वा बन्च वास्तिवी की, विन्हें बारतीय बाव-कर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिष्या के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अन्सरण भ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क कभीन, निम्निवित्तिक क्रावित्यों. कथीत :--- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(प्रत्यरक)

(2) पुरी कन्स्ट्रक्शन लि०।

(ग्रन(रेती)

को बहु सूचना आदी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

स्थत सम्पत्ति के वर्षन से सम्बन्ध में कोई थीं बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए वा करोंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिमाणिक हों, वही अर्थ होगा को उस सभ्याय में विद्या गया हो।

मन्त्रची

शाप नं ० 132, जो मंजिल, श्रशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र^{\$}-1ए/ 37ईई/ 282/ 86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज 1ए, बम्बई

सारीख: 15-10-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1987 निदेश सं० ग्रई 1ए/ 37ईई/ 283/ 86- 87-- ग्रनः सुझे, एम० सी० जोगी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5 00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० शाप नं० 40, मंजिल, श्रशोकां सेंटर, एल०टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है (श्रीर इमने उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप ने विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

4-4-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान भ्रोतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अक्षेयह विक्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्मील का उपित यावार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, ए'से दश्यमान प्रतिकत का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और संवरक (अंवरकों) और बंविद्रिवीं (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के तिए तय पावा नका विकल्क, निम्नीविधित क्यूबोक्य के स्वत वन्तद्रण जिल्लित के क्यूबोक्य के सम्मीविधित क्यूबोक्य के स्वत वन्तद्रण जिल्लित के

- (क) करारण में शुर्व किती बाव की वावकत क्वा वीपरिवय के वचीन कर वंधे के करारव की वावित्त में कवी क्रमों वा क्वाचे कराये की सुविदा के सिक्ष क्वी/वा
- (व) श्रेची कियो जान ना जिली पन ना जान जातिकारी को, विक् बारतीय जान-कर समितिकान, 1922 (1922 का 11) ना उनक जीजिनका, ना धम-कर जीजियकार्थ, 1957 (1957 का 27) के प्रजीवनार्थ जन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गंजा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रिका के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निज्ञित व्यक्तियों, अधीक अन्तर

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) पुरी कस्ट्रम्शन लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिना करका है ॥

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य म्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होंकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्ची

शाप नं ० 40, जो मंजिल, प्रशोका शाविंग मेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के० सं० भई-1ए/ 37ईई/ 283/ 86-87 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जनरें ज-ाए, बस्बई

तारीख: 15-10-1987

प्रास्य बाई .टी.प्न.एव .----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारर 269-वं (1) के अभीन स्वना

आयानिय, सहायक आयकर आधृत्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज- 1ए, वम्बई वम्बई, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1987 निदेश सं० ग्रई 1 ए/ 37ईई/ 284/ 86— 87— ग्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (िबसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्यांस करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है.

ग्रौर जिसकी सं शाप नं 86, मंजिल, ग्रगोका शापिग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्म् सूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 269 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 4-4-1987

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतिफस के लिए अन्तरित की नह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के बन्तरक के दावित्व में कभी करने या उसने बच्चे में स्थिता औं किए; और/मा
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें अस्तीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए या, छिपाने में संविधा के लिए;

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्राकृ लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) लिं०।

(ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

डक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ह--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं कर्ण होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

शाप नं ० 86, जो, मंजिल, ग्रगोका सेंटर शापिंग, एल०टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1ए/ 37ईई/ 284/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है $\sqrt{}$

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-1ए, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलारा (1) के अधीन निम्नीलिंडत व्यक्तियों, अर्थात् : - -4—326GI/87

तारीख: 15-10-1987

5 48 6 8 . 27 . Q1. Q1 ., -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1987 निदेश सं० ग्रई-1ए/ 37ईई/285/ 86-87-- ग्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया ह"), की धारा 269-ह के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य र्5,00,000/⊢ रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं् शाप नं 138, 1 मंजिल, ग्रशोका शापिंग सेटर एल० टी० रोड, बम्बई 400001 में स्थित है, (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रोयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-4-1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य है कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास **करने** का कारण है कि वंशापुर्वोक्त सम्बन्धि का संवित बाबार मुख्य, उत्तके सम्मान <u>प्र</u>ितकत् से एसे काममान प्रतिकत सा नम्बद्ध प्रतिकत से बंधि गैर बंतरक (बंतरका) बीर बंतरिती (बंबिंदिकों) हे बीब् ग्यरण के सिए दव धावा नवा प्रहि-

पम गिमासिया स्टूर्व,

क्य से कथित नहीं 🗐 या वया है ह—

भिक्ष सम्बद्ध सं क्षेत्र किसी साथ की बायल उनस स्विध-नियम के नधीन कर दोने के संसरक के सामित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिल्ह केसी

- उपर धंतरम विश्वित ये वास्त्रीपक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, धिन्हें धारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) वा तकत अधिनियम, रा सन- कर अधिनियम, रा सन- कर अधिनियम, रा सन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोक्तिय बन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा वा किया बाया अधिक था, कियाने में सकिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यंतितयों, अर्थात् :--- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(म्रन्तरक)

(2) पुरी कन्स्ट्रवशन लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्था बारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्थन के लिख कार्यगाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पटबीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया. हैं!

अन्सची

शाप नं \circ $^{'}$ 138, जो 1 मंजिल, ऋशोका शापिग सेटर एल \circ . टी \circ रोड, बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं 0.1 U/37 ईई/ 0.285/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 0.4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज 1 ए, बम्बई

तारीख: 15-10-1987

प्ररूप आई. दी. एन. एस.---

श्रायक्तर विभिनियस : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

भारत प्रकाह

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्स (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1987

निदेश सं० श्रई-1ए/37ईई-286/86-87- श्रतः मुझे, एम० मी० जोशी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० शाप नं० 52, 2 मिजल ग्रशोका शापिग सेंटर, एल०टी० रोड, बम्बई 400001 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-4-1987

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथ-पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें स्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, उक्त आंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में नृत्रिधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

कतः गव, उक्त अधिनियभ की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, इक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) पुरीकन्स्यूक्शन (बम्बई) प्रा०लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) पुरी कन्स्ट्रक्शन लि०।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जा<u>री करके पूर्वों त</u> सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यशाष्ट्रियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंड स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखत में किये जा सकोंगे

रपष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्कत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तसर्ची

भाप-नं ऽ 52, जो 2 मजिल, भ्रमोका मार्पिग मेटर, एल ० टी ० रोड, बम्बई 400001 में स्थित हैं।

ध्रनुसूची जैसा कि कर संरु धर्ध-10/37ईई/86/86-87 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एम० सी'० जोशी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायु•त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज 1ए, बम्बई

तारीख: 15-10-1987

प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रम्तूबर, 1987

निदेश सं ् ग्रई 1ए | 37ईई | 287 | 86-87-- ग्रतः मझ, एम ः सी ॰ जोशी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रा. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 64, 2 सरी मंजिल श्रशोका शापिग सेटर, एल० टी० रोड, बम्बई 40001 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची और पूर्णस्य से विणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रीयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बप्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-4-1987

क्यं पूर्वा वित सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वों कत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल का गेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए%

लतः गंग जन्म अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरणः मों, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अक्षेत, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रवशन लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वीवत सम्परित कं अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के रागंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) .इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

भाष नं ० ६४, जा ८ मिजल, भाषिम सेंटर, एल ०टा० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि कि सं ग्रई-1ए/ 37ईई/ 288/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा निांक 4-4-1987 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जीशां मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरें ज-1ए,बम्बई

तारीख : 15~10-1987

क्षि गार् व पं दि दि दि

नाथकर निधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्थना

ATEM WESTER

कार्यानव, तहायक वायकर जागुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज 1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1987 निदेश सं० श्रई 1ए/ 37ईई/ 288/,86-87--- श्रतः मझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 45, तल मंजिल, श्रशोका शापिग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बुई 400001 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रद्मूची में श्रौर पूर्णस्य से वर्णित है), ग्रौर जिसका करार— नामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कर्ष्व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्जिस्ट्री है। तारीख 4—4—1987

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) जोर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक अने निए तय वाया कहा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्तर

- (क) वंतरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनिक्स के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आव वा स्थली धन वा लन्य जारितसी को जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या अव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाई बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, किया वे लिया वे विधा वे विधा वे लिया वे

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पुरी कन्स्ट्रकशन (बम्बई) प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) पुरी कन्स्ट्रवशन लि०[/]

-(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🦝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए वा सकीं।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची -

शाप नं ० 45, जो तल मंजिले, ग्रशोका सेंटर शापिंग, एल ०टी ० रोड, बम्बई 400001 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-1ए/37ईई/288/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरैंज, 1ए, बम्बई

तारीख: 15-10-1987

ता मोहर:

प्ररूप आह. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

वम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1987 निदेश सं० श्रई—1ए/37ईईए/ 289/ 86—87—→ श्रतः मुझे, एम० मी० जोशी,

प्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है. की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00 000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं आप नं ० 68, तल मंजिल, भ्रणोका गापिंग सेंटर, एल ० टी ० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबंद्ध ग्रमुसूत्री में ग्रौर पूर्णरूप से विश्त है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्याजय में र्राजस्ट्री है। तारीख

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रोतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्शि का उचित बाजार मुक्ट, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतर अब जिन्हें अभिनियम की भारा 269 ग के अन्सरण गों, भी, जनत औधनियम की भारा 269-च की उपभारार /1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अभीत —— (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) पुरी कन्स्ट्रक्शन लि०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

शाप नं 68, जो, तल मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल०टी ० रोड, बम्बई 400001 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ ग्रई-1ए $_{\ell}$ 37ईई $_{\ell}$ 289/86+87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4+1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्ष्म० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1ए, बम्बई

नारीख : 15--10-1987

, and

प्रकर् बार्ड . टी . एन . एस . -----

वाबकर कथिनिवस, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के बचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक बायकर बायक्त (निरक्षिक)

ं अर्जन रेज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1987 निर्देश सं० अई-1ए/37ईई/290/86-87---अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थान प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार धून्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी नं० शाप सं० 15, मंिल, स्रशोका शापिग सेंटर एल० रोड० बम्बई-40001 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नुसुची में पूर्ण रूप में विणत है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री है, दिनांक • 4-4-1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतुष्ठ प्रतिष्ठत से बावक है और क्तरक (स्वत्रकों) और जतिन्ति (अंनरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कम निम्मितियां उद्दृष्टिय से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कम निम्मितियां उद्दृष्टिय से अंतरण की लिए तय पाया गया प्रति- कम निम्मितियां उद्दृष्टिय से अंतरण की लिए तथ पाया गया प्रति-

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिन्यम् के जबीन कर वेने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसमें नचने में स्विध्य के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मेविधा के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पूरी कन्स्ट्रवशन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2) पूरी कन्स्ट्रकशन लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके न्योंक्स सम्मित के वर्षन के निव् कार्यनाहिका करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्रोप !--

- (क) इस स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की तारतेश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधिः, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ने नीहर सकत स्थातर राज्यति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयम के बच्चाय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया । गमा है ।

अनस्ची

"शाप सं० 15, जो तल मंजिल, ग्रशोका शोपिंग सेंटर, एल० टी० रोट बम्बई-400001 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक क० सं० अई 1ए/37ईई-290/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 को रिस्टर्ड किया गया है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1ए, बम्बई

दिनांक ' 15-10-1987 मोहर प्रक्रम बाहं. टी. एवं रूप. न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए, `बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1987

निर्देश सं० ग्रई-1ए/37ईई/291/86-87--अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 5,00,000/- रत. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० शाप सं० 26, दूसरी मंजिल, श्रशोका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई 400001 मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची मे और पूर्णरूप से वर्णित है) और शिक्षका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिन्स्ट्री है, दिनांक 4-4-1987

कां पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पितफन के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य हे उनत बन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम सं हर्द किसी बाय की मानत, उपल विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तर्क दायित्व में कमी करने या उससे अवसे में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एस किसा बाय का किसी नन का बन्ध आस्तिका को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, * 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-वद आपित्यम, 1937 (1957 का 27) क प्रयालनार्थ बीतरिती दलारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सीधः के लिए:

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा ?69-म के अन्सरण , मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) पूरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक
 - (2) पूरी कन्स्ट्रवशन लिमिटेड

(ग्रन्तिनती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिय। करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारास्य से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप सं० 26, जो दूसरी मंजिल, ऋशोका शोक्षिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1ए/37ईई-291/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-4-1987 को र्जिस्टर्ड किया गया है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम अधिकारी महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें न 1ए, बम्बई

दिनांक: 15-10-1987

दक्ष वरदे.<u>दो .पृष</u> . पृष्ठ अवननमानकवननमा

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन ब्यूना

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1ए, बम्बई
बम्बई, विनांक 15 अक्तूबर 1987
निर्देश सं० ग्राई-1ए/37ईई/292/86-87--श्रृत मुझे,
एम० सी० जोशी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिबर इसके इसके परेपाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'),, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृष्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ज्ञाप मं 55, दूसरी मंजिल, श्रशोका ज्ञापिंग सेंटर, एक ब्रीट रोड, बम्बर्ड 400001 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विजित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-4-1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिक्रम के सिए अन्तरित को अर्थ हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिक्रल से, एसे द्रायमान प्रतिक्रल का भम्बह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पामा वस प्रतिक्रत, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिनिय में निस्तिक कम से कीचत नहीं किया वसा हैं —

- (क) अन्तरण ते हुई किसीं नाय की वानत, उक्त अधिनियंत्र, भी वयीम कर देने के बन्तरक से वानित्य में कमीं करने ना उत्तक बचने में सुविधा से लिए; और/ना
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन या कर्न्य आस्तियों गर्ने, जिन्हें भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना जबन अधिनियम या धन-कर अधिनियम गर्भ-कर अधिनियम, १३57 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वार प्रकट नहीं किया पना था ना किया बाना भाष्ट्रिए था, जिन्मने में सुदिधा के किया;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के बन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) पूरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2) पृरी कन्स्ट्रकणन लिमिटेड।

(अन्सरिती)

की वह स्थान कारी करके पूर्वोक्त सम्मास के न्वीन के निहर कार्यनाहियां भूक करता हु।

बक्त संपृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नालंग ---

- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक से 45 विष् की प्रवीच या तरकानानी न्यवित्वों तर स्वान की नामील से 30 विन की अविभ, को भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिसम्
- (क) इस प्यमा के राज्यम में प्रकायम की तारीय से 45 विश्व के श्रीवर क्यत त्यावर कम्परित में हितवकृष हैन्सी क्ष्म अभिन्न कृषाच वृष्टेहरतास्त्री से गांव देववित में किए ब्रा क्योंने ॥

स्वकाष्टिक :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर पदों का, को उबके अपितवन, को बध्यान 20-क में परिभाविक ही, बही वर्ष होंगा, वो उस अध्याद में दिवा भूगा ही।

वनसूची

शाप सं० 55, जो दूसरी मंजिल श्रशोका शोपिंग सेंटर, एल०टी० रोड, बस्बई-400001 में स्थित है ।

श्रन्मूची जैमा कि क० सं० ग्रई 1ए/37ईई/292/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी नम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टई किया गया है।

एम० ज० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंन-1, बम्बई

दिनांक: 15-10-1987

मोहर :

5-326GI/87

प्रकल्प आही. दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्राजैन रेंज-1ए, वम्बई
वम्बई, विनांक 15 श्रक्तूबर 1987
निर्देण सं० श्रई-1ए/37ईई/293/86~87--श्रतः मुझे,
एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स को अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

मी शिसकी सं शाण नं 89 दूसरी मंजिल, अशोका शापिम मेंट ए ए ि टी रोड, बम्बई-400001 में स्थित है और इ.से उाब अन्सूची में औं पूर्ण हप से विति है) भी िसका करा नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय, बम्बई में स्ट्री है, दिनांक 4-4-1987

का गुर्वोधिस सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का भाग्य है कि यथापर्वोध्यत मपित्र का अचित बाबार प्रणा. जसके दश्यभान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का न्सार प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती के बीच एसे अन्तर्य को लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित अवदय्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाधत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के आधिन्य में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा भिन्ना को राम
- का। एसी किसी आय या किसी धन वा जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था गर किया जाना बाहिए था छिणाने में सविधा के सिए;

अतः अब . उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अभीन . निम्नीलिकत व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) पूरी कन्स्ट्रकगन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्सरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकणन लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सुष्यता आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्

उनत सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्यव्यक्तिसरणं:—इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>जनसूची</u>

शाप नं० 89, जो दूसरी, मंजिल, अशोका शोपिंग सेंटर, एस०टी० रोड, अम्बई-400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1ए/37ईई/293/86-87 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ध द्वारा विनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ए, बम्बई

दिनांक: 15-10-1987

मोहर : 🐉

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एवं. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत हरकार

कार्यालय, सहार्यक भायकर मायुक्त (निरोक्त)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 15 अक्तूबर 1987

निदेश स० अई-1ए/37ईई/294/86-87-अतः मुझे, एम० सी० जोगी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थायर सपर्ति जिसका उपित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० शाप स० 101, दूसरी मजिल, अशोका शापिग सेण्टर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण च्या से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कखा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, दिनाक 4-4-1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्व, उसके कश्यमान प्रतिफल के। पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच एक अन्तरण क लिए त्य पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्बरण वं हुई किसी बाब की बावत, उक्त विभिन्नियम के जिभीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में लगी करने वा उससे बचने में सुनिधा के सिष्ट; बॉर/बा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

नतः सभ, उन्त अधिनियम की धारा 269-म से अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निश्नलिक्त अधिकायों, अधीक ह—

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड । (अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा।

उकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप 📂

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की न्यधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सृचना की तामील से 30 दिन की व्यथि, वो भी व्यक्ति बाद में नमाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 4.: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोडरताक्षरी के दास लि. वत में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में दिशाविड है, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिशी गया है।

रवसूची

"शाप स॰ 101, जी दूसरी मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल॰ टी॰ रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई 1ए/37ईई-294/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोसी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण), अर्जन रेज 1ए, बम्बई

विनांक : 15-10-1987

मोहर 🚦

अरूप **नाइ**ं, दी., एन_ः एस.: --------

जावकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जिथीन सुभना

नारत प्रदूष

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1987 निदेश सं० अई-1ए/37ईई/295/86-87-अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसर्वे परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), क्री धारा 269-च के वधीन सक्राम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिबका उचित वाचार मूच्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० शाप सं० 100, दूसरी मंजिल, अशोका शापिय सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-4-1987

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अध्य का काएण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया अधिक न, निम्मीनिवित उन्देश्य से उसके अन्तर्म सिन्तिय में नास्तिक रूप से किया नहीं जिला वना है ——

- (क) शंतरण से हुइ किती बाव की वावत, उक्त बीधिन्यम के अधीन कर दोने के बंत्रुक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) श्रेती किसी नाम मा किसी भन मा नन्म नारितयी का, जिन्हें भारतीय नायक र निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त निर्मानयम, मा भन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय नन्तरियी खूनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नामा नाहिए था, कियाने में सुविधा ने निष्

बता वथ, उक्त क्षितिकम की वारा 269-व वो बन्सरक वे. में उक्त व्यथितिका की धारा 269-व की उपधारा (1) वे वर्धील, निम्मसिविक अस्ति व्यक्ति क्ष्मा स्थापन

- (1) पुरी कन्स्ट्रवशन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक्)
- (2) पुरी कन्स्ट्रवशन लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के हिन्। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त बुम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इव त्वना के राजपन में प्रकातन की शारीच वं 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेच्द स्वक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवाद;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वक्कीकरण :--६समा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विस् वसा हैं।

अनुसूची

"शाप सं० 100, जो दूसरी मंजिल, अशोका शापिंग सेटर, एल० टी० रोड, वस्बई-400001 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1ए/37ईई-295/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है 1

एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

विनांक : 15-10-1987

भारूप बार्ड .डी .एन .ए।त . ्रह्यापुर पूर .

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1987

निदेश सं० अई-1ए/37ईई/296/86-87--अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार गृल्य 5,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप स० 133, प्रथम बेसमेंट मंजिल, अशाका शापिंग सेंटर, एल० टी० रोड, वस्वई-400001 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 4-4-1987.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम बित्यल के लिए अन्तरित की गद्दं और मृत्रो यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिस उद्योद्य से उक्त अन्तरण बिश्वित में बास्तविक कप से कथित नहीं कवा गया है ■——

- (क) अन्तरक है हुई कियीं बाय की बावह, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को अन्तरक के बायित्व को कभी करने या उत्तरसे वचने में स्विधा से लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, का भन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना भाहिए था, जिनावे में सुविभा भी किस्तु।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तिक्यों, अर्थात् :—

-)1) पुरी कन्स्ट्रकशन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रकशन लिमिटेड (अन्तरिती)

की वह स्थने। बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

बन्ध सम्मित्त के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारील ले 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विस के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हिस क्व क्वारा, अधि उस्ताक्षरी को पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण -- इसमें प्रभूक्त भन्दों और पदी का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"शाप सं० 133, जो प्रथम बेसमेट मंजिल, अशोका शोपिंग सेंटर, ए.० टो० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 1ए/37ईई-296/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1ए, बस्अई

विनांक: 15-10-1987

प्ररूप बाद".टी एत.एस.-- -----

नायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-थ (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यक्तिय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, विनांक 15 अक्तूबर 1987

निवेश स० अई-1ए/37-ईई/297/86-87--अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी संश्राप संश्राप संश्राप संश्राप संस्थित विश्राम सेंद्र एलिश टीश रोड, बम्बई-400001 में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुगृची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269) कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 4-4-1987,

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप सो किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर बेने के मन्तरक के खिरद में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के बिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों, भारतीय आयकर अधिनियम, 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तिरती द्वार प्रकट सही किया गया था या किया भाग चाडिए था, किया में स्विधा के सिक्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:—— (1) पुरी कनस्ट्रः शन शायब्हेटः लिमिटे छ

(अन्तरक)

(2) पुरी कनस्ट्रवशन लिमिटड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्तर सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ घर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उच्का अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

"शाप सं० 134, जो प्रथम बेसमेट मजिल, अशोका शापिग संटर, एल० टी० रोड, बम्बई; 400001 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई 1ए/37ईई 297/86— 87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जांशी सक्षम प्राधिकारी,• सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-1ए **बम्बई**

दिनांक : 15-10-1987

मोहर ३

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुभना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1987

निदेश स० प्रई—Iए/37ईई-264/86-87-- प्रत: मुझे, एम० सी० जोणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

5,00,000/म् रा. से अधिक हैं भीर जिसकी मं जाप सं 101, पहली मं जिल, भ्रयोका योपिय योपिय सेंटर, एल व्टीवरोड, बम्बई—400001 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुभूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कब के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-4-1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्रियमान प्रतिफल से, एसे ध्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिबंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभाग (1) के अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) पुरी कन्स्द्रेनशन (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (झन्तरक)
- (2) पुरी कल्स्ट्रेक्शन लिमिटेड । (प्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पृथिक्ट सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां गृरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या जित्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तासीत से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समादा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्ता स्थापर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किपी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया ही।

अनुसूची

णाप सं० 101, जो पहली मजिल, ग्रशोका शापिंग, सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं०थाई-1ए/37ईईअई-264-86-87 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 4-4-1987 को रिजस्टई किया गया है ।

> ण्म० मी० **जोशी** मक्ष**म प्राधिकारी** महायक ग्राधकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण),** श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बर्ड

दिनांक 15-10-87 मोहर

प्रकृप कार्च , दी . एन . एच , ------

नायकर अधिनियम, १७६१ (1961 का 43) कृतै धारा 269-भ (1) को अधीन स्थाना

क्षारत पर्याह

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 ग्रन्तूबर 1987

निदेश सं० श्रई-1ए/37ईई-260/86-87-- म्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीरा, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,00,000 ∕- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शाय सं० 222, पहली मंजिल, ग्रामोका शोपिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूली में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-4-1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान मितिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती करने का कारण के कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अप्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पाया शवा प्रतिफल निम्नतिसित उन्देश्य से उक्त बंतरण निस्ति में नास्तिक कम ने स्थित नहीं सिका चया है कन

- (क) जन्मरण से हुइ किसी जास की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंश्वरक के रामित्य में कजी कारने वा इसने बज़ने भें सुविधा में निष्ट, अरि/या
- (क) एंसी किसी गय मा फिल्मी धन या जन्म कारितामं को, जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकार अधिनियम, शा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी इंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने नो मुलिया के निए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पूरी कल्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइबेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) पुषी कल्स्ट्रक्शन लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

कर यह सूचना धारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के कर्यन के सिष्टु काण्याहियां करता हों।

उक्त संपरित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद चूचना की सामीस से 30 दिन की वविध, जो और जबीध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की दारीच वें 45 दिन के भीतंद्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कें पास सिवित में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त संख्यों और पदों का, जो उसके अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं। वहीं वर्ष होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

नमस्यो

''गाप सह 222, जो पहली मंजिल, श्रमोका शोपिग सेंटर, एल व्ही वरोड, अम्बई -400001 में स्थित है। श्रमुसी जैसा कि ऋ० सं वश्रई 1ए/37ईई-260/86-87

श्रनुसूचा जसा कि कल्सल अहाए/37६६-200/66-67 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिमांक : 15-10-1987

1987

प्रस्प बार्^म. टी. एस. *प्*रा_न सम्बन्धकारणका

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के कधीन सुपना

भारत चरकार

कायलिय , सहाध्यक भायकर बायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंग-1ए, त्रस्त्रई वस्वई,दिनाक 15 ग्रक्तूबर 1987 वस्त्रई, दिनाक 15 ग्रक्तूबर 1987 े निदेश मण अई-1ए 37ईई-261/86-87--प्रत मुझे, एमण मीण जोशी,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परशत् उकल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्म 5,00,000/- रु स अधिक है और जिसकी स० शाप स० 24, दसरी मंजिल, अशोका शोपिंग सेटर, एल० टी० राइ, अम्बर्ट-400001 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन

सक्षम प्रोधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनाक 4-4-

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार क्या, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत संअधिक हैं और अन्तर्क (अंतरकों) और अतोग्नी (अंतरितियों) के बीच एसे बंतर्ज के पिए तम पावा गया प्रतिक्त क्या पिल्लीकित से बाक्स विक क्या अवस्था कि किता नहीं किया गया हैं:--

- (कं) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य 'आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा अवस् विभिन्नम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शहिए था, छिपाने में प्रतिशा के जिया;

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बाम्बे) प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रवशन लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

कर पह जुलना जाड़ी करने पूर्वोक्त बन्दिक में बर्जन में जिए कार्यवाहियां करता हो।

त्रवह तम्बन्ति के बर्बन के सम्बन्ध में साहे भी बाखेशः--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए वा सक्ति।

स्वक्रीकरणः ----दममें प्रमुक्त बन्दों बौद पर्वो का, बो उक्त जिथिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

णाप म० 24, जो दूसरी मजिल, श्रणीका णोपिश सेंटर, एल० टी० रोड, वम्बई-400001 में स्थित है । श्रमुसूची जैसा कि क०स० श्रई-1ए/37ईई-261/86-

श्रनुसूचा जमा कि अ० म० श्रह-1ए/37इइ-261/86-87 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 का रजिस्टई किया गया है ।

> एम० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण.) श्रजन रेज-1ए. बम्बई

दिनाक : 15-10-87

मीहर :

प्रकम बाह् ट<u>ी. एन. एस..</u>-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रुर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1987 निदेश स० श्र5-10/3755-262/86-87--श्रतः मुझे, एम० सी० जोशी, ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रजपा से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० णाप स० 227. । मजिल, अशोका णोपिम सेंटर, एल० टी० रोड. बम्बई-400001 में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कर के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-4-1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्लं) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि^{र्म} नियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों करें. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए भा, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात ——

- (1) परी कन्स्ट्रक्शन (बाम्बे) प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्रक)
- (2) परी कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

नगुस्ची

"शाप स० 227 जो 1 मंजिल श्रशोका शोपिंग सेंटर एल० टी० रोड बम्बई-400001 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कर मंर ग्रई 1ए 37ईई-86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज 1ए बम्बई

दिनांक : 15-10-1987

मोहरः

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलद, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई वम्बई, दिनाक 15 श्रक्तुबर 1987

निदेश सं० श्रई 1ए/37ईई-263/86-87-- ग्रनः मुझे, एम० सी० जोशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसेका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपयं से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० णाप सं० 252 दूसरी मजिल ग्रणाका णापिम सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधितियम की धारा 269 के, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 4-4-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दक्षिण तालक, बंगल्र में धारा 269ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्म्ख/ के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी नाम की बाबत, उनत नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना ज्ञाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए।

अत: अध, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अधीन:—

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बास्बे) प्राइवेट) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रमणन लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन् सूची

''शाप सं० 25, जो दूसरी मंजिल, श्रशीका शोपिंग सेटर, एलंब्रिटी ० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैसा कि क०सं० श्रई-1ए/37ईई--86--87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जो**शी** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1ए, वस्व**र्ध**

दिनांक : 15-10-1987

प्रकृष कार्ड. टी एन् एस स्टब्स

शायकांदु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सुचना

बाइत चरकार

कार्याक्षम, सहायक सायकार भागृक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1ए, बम्बर्ट बम्बर्ट, दिनाक 15 श्रवतूबर 1987

निदेश म० ग्रई $-10\sqrt{3755/265/86-87}$ - प्रत मुझ, एम० सी० जोशी,

हासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंजात 'उपत अभिनियम' कहा गया है), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी म ० 212. 1 पहली मजिल, श्रमाका गापिन सेटर, एल ० टा ० राड, बम्बई-400001 में स्थित है (श्रार इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, की धारा 269 कख के श्रीत सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय , बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाक 4-4-1987,

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के इश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार गूरे असके दश्यमान प्रतिफल का वद्ग प्रतिफल के अपित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिस्ति (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाता बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः नदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) पुरी कन्स्ट्रवशन (बाम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रक्णन लिमिटड ।

(श्रन्तरिता)

को थह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्ट ार्यवाहियां करता हु ।

उभी सम्मास के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त हाती हो, या भीतर पूजीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्यारा अधाहस्ताक्षरों के पास निक्षित में किए ज सकेंग-।

स्थव्यक्तिस्यः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके स्थितियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"शाप सुरु 212, जो 1ली मजिल, अशाका शांपिंग सेटर, एल दी दोड, बम्बई-400001 में स्थित ह । अनुसूची जैसा कि ऋर सुरु अहर 10/37ईई-265/50-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 का रजिस्टड किया गया ह ।

एम० मी० जाणो मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनाक : 15-10-1987

प्रस्य बाह्-टा-एन-एस-------

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 15 श्रक्तूबर 1987 निदेश स० श्चर्ड-1ए/37ईई-266/86-87--श्रनः मुझे, एम० सी० जोशी,

तायकर अधिियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके इस्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

श्रौण जिसकी स्व शाप संव 174, 1ली मंजिल, श्रणांका शापित सेटर.एलवर्टी वराइ, बम्बई-400001 में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबढ़ अनुसूत्रों में श्रीणपूर्ण रूप में विणित है) ग्राण जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधिन्यम की धारा 269 के,ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-4-

की प्रवेक्त सम्मित के उचित बाबार मृस्य से कम के क्याना मितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का नन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गवा प्रतिकल निम्निसित उद्योधिय से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तिवक रूप से काथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उथल अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी बाय या किसी अन वा बन्न वास्तियं करें, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 को 11) ना उन्त निधिनयम, या अन-कर निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुनिधा की लिए।

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बॉम्बे) प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बाक्त संपत्ति के वर्षक को संबंध में कोई भी जाकोर :----

- (क) .इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की उरिध के 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकान।

न्धर्वहाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पता का, जो उक्त गीधनियम के अध्याद 20-के में पीरभाषित हैं, वहीं जर्च होगा को उस अध्याय में दिया वया हैं।

MR TOWN

''णाप सं० 174, जो ाली मिजिल, भ्रणोका गोपिंग सेटर, एल० टी०रोड, रोड, बम्बर्ड-100001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अर्ह-1ए 37ईई/266/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज–1ए, बम्बई

कतः वन, उत्ति अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण गः, मैं, उका श्रीधनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों कर्षात् :---

दिनांक : 15-10-1987

प्ररूप आहैं.टी.एन.एस.-----

आयफर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांस्या, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1ण, बम्बई वम्बई, दिनाक 15 श्रक्तूबर 1987 निदेश म० श्रई-1ण 37ईई/267/86-87--ग्रन मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हम्म इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हो

और जिसकी स० शाप स० 53, दूसर्र(मजिल, श्रशाना शाणिस सेटर, एल० टी० राड, बम्बई-400001 बम्बइ म स्थित ह (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची मेश्रीर पूर्ण रूप से विणत हे) श्रार जिसका क्रारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क्य के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 4-4-1987

का पूर्वेक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य स कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास अरने का कारण है कि ग्रथापूर्वेक्त सम्मति का उचित बाजार कृष्य उनके क्ष्यमान प्रतिफल म, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अतरिती (बंतरितिबा) के बीच एसे बंबरण के लिए तम पामा गया प्रति-क्षम निम्निसित उद्देश्य से उनत अन्तरण निवित हो बास्तिबक कम मे कि त नहीं किया गया है क्ष-

- (क) कन्तरम सं पृष्ट मिन्नती आंश कः यावार सकत विविध्यम के क्षीन कर यान सं अन्तरक के धायित्य में क्यी करने या समसं वचन में कृषिया के सिद्र और/या
- (च) देशी किसी बाव था किसी धन वा बन्स वासिस हो को, दिनकों भारतीय बावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, १९ प्रवेकर विधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए था. कियाने के प्रवेकर के लिए;

अत ाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा '*) के अभीन, पिम्नलिश्विस व्यक्तिया, अर्थात् —

- (1) पुरी कल्प्ट्रनशन (बाम्बे) प्राइवट लिमिटेड (श्रन्सरक)
- (८) पुरी कन्स्ट्रविशन लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

का यह सञ्चना आरी करकं पूर्वीक्त मर्म्यात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मा काइ भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश है 45 दिन की लगींश या तत्पास्त्रकी व्यक्तियों पर स्वता की तापींग से 30 दिन की स्वीध, को भी स्वांभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविच्य स्वित्तयों में ये किसी व्यक्ति इसार:
- (क) इस स्णना के राजपण मों प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास विक्ति मां किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उत्कल काभनिवस, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वदा हैं।

अनुस्ची

''शाप स० 53, जा दूसरी मजिल, ग्रशाका शापिग सेटर, एल० टी० राड, बम्बर्ट--400001 में स्थित है ।

प्रतुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-1ए 37ईई/267/86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी, गहागक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज 1ए, बम्बई

दिनाक 15-10-1987 ममोहर . प्ररूप आई. टी. एन, एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेगाए, त्रम्बर्ट त्रम्बर्द, दिनांय 15 श्रन्तूबर, 1987

निर्देश सं० ग्रई०-1ए/ $37^{\frac{1}{2}}$ ई/272/86-87—श्रत , महो. एम० सी० जोशी

बायकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, 1,00,000/- रु. सं अधिक है

गौर जिसकी सं० णाप नं० 65, टूपरी मंजिल, श्रणोका णाँपिंग सेन्टर, एल०टी० गोड, बम्बई-400001 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ड ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण का से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के क(र्यालय वस्बर्ड में रजिस्ट्री है दिनांक 4-4-1987

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजौर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक के लिए; और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग की, अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन, निम्निणियन व्यक्तियों, अर्थात ं---- া परी कन्स्ट्रमशन (बोम्बे) प्रा० लिमिटेड,

(ग्रन्सरक)

2, परी कनस्दुक्शन लिमिटेड।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विस्तवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्तर्धः तरण . — डममो प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ हाला ए उस अया: में दिया गया ही '

बर्ग सन्ती

णाप नं 65, जो दूसरी मंजिल, श्रशोका णोपिंग सेंटर, एल०टी० रोड, बम्बई-400001में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कै० सं० ग्रई० 1ए/3 ईई/272/86-87 ग्रीर जा सक्षम प्राविकरी क्रमबर्द ब्रारा दिगोंक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया ण ।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1ए, बम्बई

दिनांक 15-10-1987 मोहर:

प्रकप बार्च . टी एत , ४५ . ------

बायधर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

SIEG GERS

कार्यातव, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1.00,000/- रु स अधिक है श्रीर जिसकी से शाप ने 88, दूसरी मजिल, श्रणोंका शोपिंग सेटर, एले टी॰ रोड, बस्बई-400001 में स्थित हैं (श्रीर डसे उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म बस्बई में रिजस्ट्री है दिनाक 4-4-1987

को पूर्विकत तम्परित के उचित वाधार बृस्य से कम के दरवजान प्रतिकल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पत्था प्रमा प्रतिफन, निम्मिनियत उद्योग्य के उचत के तरण जिखित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया पत्रा है :---

- (क) वंतरण से हुई किसी वाव की वावत उक्त वाधिक नियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के शासिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भार/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रसोक्त्रार्थ अन्दरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के तिरा:

अत जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीत. निम्निजियम व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- 1 पूरी कनम्द्रनशन (बोम्बे), प्रायवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 3 पूरी कनस्ट्रकशन लिमिटेंर

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त बन्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्स्वज्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की वविध, का भी अविध वाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्धे कित दुवारा,
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वशेहस्ताक्षरी से गंद निम्नत में किए जा सकेग!

स्थळाटिकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स श्रीधीनयम, के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, बहुी सर्थ होगा जो उदा अध्याम में दिसा गर्मा है।

अनुसूची

णाप न० 88, जो दूसरी मजिल, श्रमाका णापिगसेटर, एल०टी० रोड, बम्बर्ड-400001 म थस्यत है।

त्रत्मुची जैसा कि कि० स० श्रई०-1ए/37ईई/271/86-87 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिदाक 4-4-1987 को रजिस्टई किया गया है।

एम० सो० जोशी
गतम प्राधिकारी
महायक प्रायकर श्रायक्त (किरीक्षण)
अर्जन रेन । ए, बस्बई

दिनाक . 15-10-1987 मोहर . प्रारूप आई. टी. एन. एस.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) वी मधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन जरेंज 1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1987 व निदेश सं० श्रई०-1ए/37ईई/270/86-87—श्रन:, मुझे एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/-रुपए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० णाप नं० 54, दूमरी मंजिल, ग्रशोका णोपिंग मेटर, एल०टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है (अंर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 4:4-1987

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित नाजार मृत्य से कम केड स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित नाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के तभीन कर देने के बन्तरक को वायित्व में कमी करने के उससे बचने में सुविधा के बिए; और/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना आना साहिए था 'छपाने में मुविधा के लिए;

1. पूरी क (स्टूक्शन (बोम्बे) प्रायवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. पूरी कनस्ट्रमगन लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताअरी के पाड विवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूरी

शाप नं० 54, जो दूसरी मंजिल, श्रशोका शोपिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रर्ङ- $1^{17}/37$ ईई/270/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिदाक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड $_1$ किया गया है।

एम० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1ए, बस्बई

दिदांक 15-10-1987 मोहर: प्रकृष बाइं.टी.एन.एस. ------

बावकर अभिग्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुकना

भारत शरकार

कार्याक्षयं, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1ए, धम्बई

बम्बई, दिनांक 15 ग्रक्तूबर, 1987

निर्देश ं सं० श्रर्ड- $1 \frac{1}{3} 7 \frac{$\$}{$\$} / 269 / 86 - 87 - - - - श्रतः, मुझे, एम० गी० जोशी$

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन संधाम प्राधिकारी को यह त्रिक्शास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1.00.000/- क. से अधिक हो

1.00,000/- रु. से अधिक हे और जिसकी मं० शाप नं० 87, ग्राउन्ड पकोर, ग्रंगोका शापिंग सेंटर, बम्बई-400001 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रंनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क, खे के ग्रंधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 4-4-1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ग्राजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रिष्ठान के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरक) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में श्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त बाँध-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कसी करने या उसमें बचने में सुविधा को लिए आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

सतः वयं, उपत अधिनियमं की धारा 269-श के अनसरम मा. मी., पक्त अधिनियमं की धारा 269-श की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. पूरी कतस्ट्रक्शन (बोम्बे) प्रायवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. पूरी कतस्द्रकशत लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्ति में किए जा सर्कोंगे।

ल्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त किय-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, पहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 87, डो तल मंजिल, श्रशोका शोपिंग सेंटर, एल०टी० रोड, वस्बई-400001 में स्थित है।

स्रनुसूची, जैसा कि ऋसें सं० स्रई-1ए/37ईई/269/86-87 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टई किया गया है।

> एम० सी० जोशी सञ्जम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जपे रेंज 1ए, बस्बई

तारीख: 15-10-1987

प्रकल बाह्य हो एवं एक , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

प्राच्य बस्कार

कार्यांक्य, सहायक वायकर भागुक्त (निशीवाण)

अर्जन रेंज 1ए, बम्बई

बम्बर्इ, दिदाक 15 अक्तूबर, 1987

पिंदेश सं० अई०-1ए/37ईई/268/86-87—अतः मुझ एम० सी० जीशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 42 है, मंजिल, अशोका शिपग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जी पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 4-4-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्रायमान प्रतिफल को सिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ख्रायमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उन्त अंतरण विवित्त में बास्तिक कप से काश्वा बहीं किया गया है हि—

- (क) वितरण से हुव किसी बाव को बाबत, बब्द किन-नियम के कभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या बसते बचने में तुनिभा के किए; बौर/बा
- (क) ए'सी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बातः अब, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण बं, मं, प्रकृत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियित व्यक्तियों, अधीत :— 1. पूरी कन्सट्रक्शन (बीम्बे) प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. पूरी कन्स्ट्रकशन लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विक् कार्यवाहियां शुक्ष करता हुं ।

उक्त सम्यक्ति को बर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताराय से 46 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए. जा सकोंगे।

स्पच्डीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जा उक्त कि कि नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विदा गया हैं।

भगसची

शाप न० किं 42, मंजिल, अशोका शोपिस सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई-1ए/37ईई/268/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक: 15-10-1987

प्ररूप वार्डं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन स्चना

भारत सर्कार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेंज 1ए, बम्बई

बम्बर्क, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987 निदेण स० अई-1ए/37ईई/273/86-87—अतः मुझे एम० सी० जोशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० गाँप न० 172, दूसरी मजिल, अगोका गापिंग सेटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व्हणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनाक 4-4-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिष्ठत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन मा बन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनसरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— 1. पूरी कनस्ट्रक्शन (बोम्बे) प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. कनस्टूक्शन लिमिटेड

(अन्तरिती)

कोर यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तमों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अध हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क मं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

णाप न० 172, जो दूसरी मजिल, अणोका गोपिंग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1ए/37ईई/273/86-87 और ज। सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 की राजस्टर्ड किया गया है।

> एम० मी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकर अआियुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1ए, बम्बई

दिनांक: 15-10-1987

मोहर ।

मुक्तपुर नाइर्ड हो। एवं। एक .. ----

नायक्षर निर्धायका, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) में नभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यक्रम, तहायक भागकर बाक्सत (विश्वीक्रम)

अर्जन रेंज 1ए,

बम्बर्ष, दिनांक 15 अक्तूबर, 1987 निदेश सं० आई-1ए/37ईई/274/86-87—अतः, मुझे, एम० सी० जोशी

कायकार अधिनास, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 211, दूसरी मंजिल, अशोका शापिग सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-40001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जी पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री हैं विनांक 4-4-1987

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, धनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- पूरी कन्सट्रक्शान (बोम्बे) प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. पूरी कन्सट्रनशन लिसिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्या सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

चलन सम्परित के अचन को सम्बन्ध भी काँग्रे भी कार्कोर :----

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रश्नक्षत की सर्वेश के 45 दिश को नगींथ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पष्ट्र स्थान की तामींथ से 30 दिन की ननींथ, को की अवधि नाम में समाप्त होती हों, के बीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा?
- (व) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय के 45 बिन को भीतर अवस्य स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बव्य किसी बच्च स्थावत क्यांस व्योगस्यक्ति के पास ज़िवित में किए वा सकोंगे।

क्याबीकरण्:---इसमें प्रवृक्त कर्न्दों और पर्यों का, को स्वक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, का वर्ष को बात को उस अध्याय में विका क्या ही।

अनुसूची

शाप न० 211, जो दूसरी मजिल, ः णोका शाधिग सेटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुमूची जैमा कि कि० स० अई 1ए/37ईई/274/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-1987 को रजिस्ट ई किया गया है।

एम० पी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1ए, बम्बई

दिनांक: 15-10-1987

144 414 . 21 . 44 . 44 . -----

नायकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) भें नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1ए, बम्बई

बम्बई विनात 15 अक्तूबर 1987

निदेश स॰ आई 1ए/37ईई/275/86-86—अत: अत: मुझे एम॰ सी॰ जोगी

कः शकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षेम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 136, दूसरी मजिल, अशोका शापिग सेटर एल० टी० रोड, वम्बई-400001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुचित्रों में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनाक 4-4-1987

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से एसे द्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप में कथित नहीं किया गया है.—

- (क) वृत्यद्रम सं हुई किसी बाय की वावत, उनत विधिनियम के अधीन कर दीने के बन्तरक को व्ययित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, फिन्हों भारतीय बायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उकन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ बन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्रिका के सिक;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निनिकित व्यक्तियों, वर्णातः ग्रै पूरी कन्सट्रंक्शन (बोम्बे) प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2 पूरी कन्सट्रमशन लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी क्यंबिसकों पर स्वना की सामीय से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर प्रविकत अप्रकारों में से किसी स्यक्ति व्यास्त,
- (स) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्त अव्य किसी अन्य स्थावत स्थावर संभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्तों और पयों का, वो जक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को एस स्पष्टाय में विया गया है।

अनुसूची

शाप न० 136, जो दूसरी मंजिल, शोका शापिंग सेंटर एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है। न

अनुमूची जैसा कि कि॰ स॰ आई-1ए/37ईई/275/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 4-4-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1ए' बम्बर्ध

विनांक: 15-10-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

निर्वेश स० श्रई-1ए/37ईई/276/86-87-श्रतः मुझे, एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० शाप नं० 137, दूसरी मंजिल, श्रशोका शापिंग मेन्टर, एल टी रोइ, बम्बई 400001 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबज धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्री है नारीख 4/4/87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हीं भारतीय सायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती ब्वार प्रकट नहीं किया क्या था वा किया वाला आहिए भा क्या के हिन्छ के हिन्छ ।

अतः अब्, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुमरण मा, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पूरी कन्स्ट्रकशन (बोम्बे) प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकशन लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

शाप ने० 137, दूसरी मंजिल, श्रशोका शापिंग सेन्टर एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है।

म्रनुसूची जैमा की किं से । 1ए/37ईई/276/86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-87 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख |15-10-87 मोहर: प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

आयक १ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, क्लिक 15-10-87

निर्वोग मं० ग्रई-1ए/37ईई/302/86-87---ग्रतः मझे एँम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिट बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप तं० 88 तन मंजिल, श्रणोका शापिंग सेन्टर एल टी रोड़ बम्बई 400001 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 269 की धारा के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 4-4-87

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गढ़ प्रतिपत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविद्य उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिविद्य में गस्तिकक रूप से कपित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व सिएक

अतः शवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- (1) पूरी कन्स्ट्रणन (वोंम्बे) प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रमन लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति या में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ५रिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सत्त्र की

णाप नंऽ 88, जो तल मिनल, ग्रेगीका शापिंग मेन्टर, एल० टीऽ रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० म० ग्रई-1ए/37ई $\frac{5}{3}$ 0 2/86-87 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-87 को रिजस्टर्ड किया गया ।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-1ए,बम्बई

तारीख: 15-10-87

मोहरः

सानकर न[पिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-न (1) के वभीन तुमना

भारत सरकार

भागांतव, सहायक आमकार वावृत्त (निर्दालका) अर्जन रेज 1 ए, बम्बई

वम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1987

निदेज सं० शाई० 1ए/37ईई/303/86-87--श्रत मुझे एम० सी जोशी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसर्वे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नाया 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित, जिसका उचित मानार मुख्य 5.00.000/- रा. से अधिक है

ह्योर जिसकी स० थाप न० 213, पहली मंजिल, श्रणोका शापिंग सेन्टर, एल० टी० रोड, बम्बई 400001 में स्थित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैतारीख 4-1-1987

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और बुधे यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का स्वित्व वावाद बुक्य, असके द्यमान प्रतिकृत से, इंते सम्बाद प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (जन्तरक) और अन्तरित (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, तिम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य स स्वाद क्ष्यित नहीं किया हमा है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बावत, उक्त अहिंपीयवम् कैं सपीद कर दोने के बुन्यहरू हो स्रावित्व के कमी करने ना उसने बुक्त हो बुनिया के दिवस बहर/मा

- (1) पूरी कन्स्ड्रकशत (बोम्बे) प्रा० लि०। (श्रन्तरक)
- (2) पूरी कस्स्ट्रकणन लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त क्रमिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंच 🚁

- (क) इस नचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, भी नी समित में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस क्षता के राजपत्र में त्रकावन की तारीच वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्यारा अभोक्स्ताकरी के शक मिचित में किए का सकतें।

अनुसूची

शापनं० 213, जो पहली मिजिल, ग्रेगीका शापिंग सेन्टर एल० टी० रोड़, बम्बई 400001 से स्थित है। ग्रनुसूची जैसा की क्र० सं० ग्रई-1ए/37ईई/303/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/4/87 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोगी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ण, बम्बई

तारीख : 15-10-87

मोहर '

प्रकथ नार्षः टी.एन.एस. ------

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए, वस्बई बस्बई, विनांक 15 ग्रक्तूबर, 1987

िंदेश सं० श्रर्ध-1ए/37ईई/304/86-87--स्रतः मुझे एम सी जोशी

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1 00 000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० णाप नं० 215, पहनी मंजिल, आगोका शापिंग सेन्टर, एल टी रोड़, अम्बई 400001 में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रानुपूची में थ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है भीर जिसका करार तमा श्राप्तकर प्रधि यम की धारा 269 क ख के श्रधी: बम्बई स्थित सक्षम प्राजिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-4-87

काँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के सिए अंतरित की गई है और भूभे यह विश्वास

करन का कारण है कि यभापनीयत मध्यति का उचित नाजार ब्ल्य, उरूके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिक्षत (अधिक है और बंतरक (बंतरका) और अंतरिती (बंतरितिया) के बीच एमे बतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक अथ में कांचन हही जिल्ला गया है ---

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के (लए;

अन अब उक्त की भीतवस की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 260-घ की न्पभारा (1) के बभीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पूरी कन्स्ट्रकशा (बाम्बे) प्रा० लि०।

(श्रन्तरक)

(2) पूरी कन्स्ट्रकशन लि०।

(अन्तरिती)

का अह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओर 🏖

- (क) इस स्वता के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से A5 दिन की बर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बर्वीय बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर वृत्योंक्य व्यक्तियां में समाप्त हांती हो, के भीतर वृत्योंक्य व्यक्तियां में से किसी व्यक्तियां ब्रवाया
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यक्रीकरण:--इसमें प्रमृक्त वन्ये वृरि श्वी का, वा उपस विधिनियस के बध्यास 20-क में परिभाषित हाँ, श्वी अर्थ हाता को उन्त अध्यास में दिसा गटा ही।

अन्स्ची

शाप नं 215, जो पहली मंजित, अशोका शापिग सेन्टर एल टी रोड, बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की किं मं० ग्रंक-1एं/37ईई/304/86-87 श्रीर जो सक्षत प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि । कि 4-4-87 को रिजस्टई किया गया है।

एम सी जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1ए, बम्बर्ह

तारीख: 15-10-87

श्राच्य वार्च , टी , पुन , पूच , ल्लान्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) वे वर्षीय स्वया

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्ज र रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्वन्तूबर, 1987 िदेश सं∘ श्चर्ई-ए/37ईई/305/86-87-श्वतः

मुझे एम सी जोशी

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 / ⊢रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 103, पहनी मंजिन, अश्रीका गोपिंग मेन्टर एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विजित है। श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रविधियम की धारा 269 के ख के श्रधी। सक्षम श्राविकारी के कार्यात्य, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4/4/87

प्रक्षा पूर्वीक्त कम्पत्ति के स्थित काधार मृत्य से कल के क्यानाई प्रक्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो

यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का धरियत बाधार मृत्य, उद्यक्षं व्यथमान प्रतिष्ठम सं, एसं व्ययमान प्रतिष्ठम का पंद्रह प्रतियात से बिधक है और अंतरक (अन्तरकों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाया गया प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिख एसे वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की वायत, अक्त अधिनियम के अभीत कर वोने के अन्तरक के शायित्व में कमी अपने सा उससे स्वाने में सुविधा के बिए; और/सा
- (क) एंसी किसी काम या किसी धन या अन्य क्रास्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यिनियम, 1922 अप अप वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) े . लोकर अं अंग्रेट सहीं किया क्या या किया वाधा वाहिए वा क्यानों के सुविधा है विश् ।

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-च के अनूसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की जमभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) पूरी कन्स्ट्रकशा (बोम्बे) प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2)पूरी कन्स्ट्रकशत लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ;---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की वश्रीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ की सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीय, जांभी वृद्धीय वाद में क्याप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्यित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि किए से किए का सकत्य।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

अनुसुची

शाप नं 103, जो पहनी नं िजन, प्रशोका शापिंग भन्टर एन टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थिन है।

श्चनुसूची जैसा की कि० सं० प्रई-17/37ईई/305/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-87 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम सी जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (स्रीक्षण) अर्जन रेंग-1ए,वस्थाई

तारीख: 15/10/87

प्ररूप आइ^र् टी. एन_ः एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई दिनांक; 15 श्वस्तूबर 1987 निर्वेश सं० श्वर्ध-1ए/27ईई/306/86-87---श्रतः मुझे एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसको सं० शाप नं० 67 पहली मंजिल स्रणोका शापिंग सेन्टर, एक ठी० रोड़ बम्बई 400001 में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तरीख 4-4-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्स अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् स्र्च्ण

- (1) पूरी कन्स्ट्रकशन (बोम्बे) प्रा० लि०। (श्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकणन लिं०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रदोध्तरण :—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्ची

णाप नं० 67 जो पहली मंजिल श्रमोका गापिंग सेन्टर एल० टी० रोड़ बम्बई 400001 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि सं० ध्रई-1ए/37ईई/306/86-87 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-87 की रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० जोशी स्क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1ए,**बम्ब**ई

मारीख: 15-10-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 10, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 15 श्रनत्बर 1987

सं० अई-2 बी/37ईई/40831/86-87-- अतः मुझे, एम० मी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2.59-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मूल्य 1.00.000/-7 से अधिक है

श्रीर जिन्की सं० शाप नं० 214 पहली मजिल श्रागोक शापिंग सेंटर एल० टी० रोड बम्बई-400001 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण मप से विणित है) श्रीर जिप्ता करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 श्रप्रैक 1987

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के खेषत बाधार मून्य से कम के ख्यान प्राप्त के लिए गंगरित की नई हैं और मुम्ने यह विश्वास गंभि का आरण है कि एशापर्वोक्त सम्पत्ति के लिए नाजार मूल्य उसके स्रियमान प्रतिफल से, एसे स्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीज एमें जन्मरण के लिए नय परण नयः भवा प्रतिकल निकासित स्ववंद्रय से उन्तर मंतरण कि विश्व में सम्बन्धित कर के से सिंग कर में स्रिया कर से स्रिया कर हैं किया कर हैं कर से स्ववंद्रय के स्ववंद्रय के

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससं बदने में स्विधा के लिए; खोर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भास: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिलिशित अधिक्समां, अर्थात् क्र-

- (1) पुरी कन्स्ट्रवशन (बम्बई) प्राइवेट लिमिटेड । (प्रन्तरक)
- (2) पुरी कन्स्द्रवणन लिभिटेड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति हो अर्जन के सिए ार्जवाहियों करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में की 🕻 भी आक्षीप .--

- (क) प्रग श्रुपता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच इर् 45 बिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वष् भूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, को भी त्रविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतन पर्वोक्ष व्यक्तिसी को के किसी प्रोक्त क्वास
- (क) बस ज्यान के रायपण में प्रकावन का तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निभित्त में किए का सकेंगे।

न्यव्योक्तरणः--- इत्रामं प्रयुक्त कथ्यां और पश्चों का, को जनश्च विधिनियम के वश्याम 20-क में परिभागित हैं, वहीं वर्ष होता को उस कथ्याम में विका भया है।

अनुसूची

शाप नं० 214 जो पहली मंजिल अशोका शापिंग मेंटर एल० टी० रोड बम्बई-400001 में स्थित है। अनुसूची जैंडा की ऋ० सं० अई 1ए/37ईई/307/ 86-87 थीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 4-4-87 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1-ए, बम्बई

नारीख: 15-10-87

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1987

निदेश सं० श्रई-1ए/37ईई/308/86-87--श्रत: मुझ एम० सी० जोशी

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिप्तकी सं० शाप नं० 308 पहली मजिल, श्रशोका शापिंग सेन्टर, एलं० टी० रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है (श्रौर इ से उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जि का करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4-4-87

को प्वांकित सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध् की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——

- (1) पूरी कन्स्ट्रकणन (बोम्ब) प्रा० लि०। (म्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकशन लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकागे।

जम्सूची

शाप नं० 226, जो पहली मजिल ग्रशोका शापिग मेन्टर, एल० टी० रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है। ग्रनुसूची जैंगा की मं० मं० ग्रई 10/37ईई/308/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-87 को रिजस्टर्ड किया गर्मा है।

> एम सी० जोशी० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1 ए, बम्बई

तारीख: 15-10-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बावकर अधिनियम, 1963 (1961 का 43) व्हाँ धारा 269-व (1) के अधीन सुपना भारत सरकार

आशीसक, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1ए. बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि ग्यावर सम्पत्ति, जिभका उपिन बाजार सम्या 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जि को सं० शाप नं० 66, पहली मजिल, अशोका शापिग सेन्टर, एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है और इपमें उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिएका करारनामा श्रायकर श्रविनियम की धारा 269 क ख के श्रवीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालय वस्पई में रिजस्ट्री है तारीख 4-4-87

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पतिकन के निए अंतरित की नई है और मुरु यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके सम्यभान प्रतिफल के एसे स्थ्यमान प्रतिफल के एसह प्रतिकृत से विश्वास करने विश्वास कर के पहाड़ प्रतिकृत से विश्वास है और अंतरिती (अंत-रितिया) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया यथा प्रतिफल, निम्निसिंधत उद्देश्य से उनत बंतरण विश्वास में दास्तिक क्या से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: बॉर/बा
- (य) पेनी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हीं भारतीय शायकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) ज्या गण्य लिधिनियम, या धननार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्याय प्रयट नहीं किया गया था जा किया जान बालिए था कियाने में परिचा जिला

नत अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

- न . एस . - - ('1) पूरी कन्स्ट्रकशन (बोम्बे) प्रा० लि० । (ग्रन्तिन्ती)
 - (2) पुरी मन्द्रकणन लि०।

(ग्रन्तरिती)

को रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

प्रभाग अपने के समय ते का**ई भी साखरे :--**

- (को एए क्ष्मन के राज्यन के प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की कनित्र का तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर कृष्णना की राजील से 30 दिन की अवधि, को भी कलिय बात में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त
- (ए) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस शध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

शाप नं० 66, जो पहली मंजिल, ग्रशोका शापिंग सेन्टर एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है।

ग्रनुपूची जै। कि क्र० स० 1ए/37ईई/ 86/87 ग्रौर जो स्क्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-4-87 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी, संक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1-ए, दम्बई

तारीख 15-10-87 · मोहर प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1ए, वम्बई

सम्बर्ध, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1987 जिल्ला संक सर्दे 10/27ईस्थिय 10/86-87-स्थ

निजश सं० म्रई-1ए/37ईई/310/86-87—म्रतः मुसे एस० सी० जोशी

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 5.00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिंकी स० शाप नं० 102, पहली मंजिल, अशोका शापिंग सेन्टर, एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिंका करारनामा अधिकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्रों है तारीख 4-4-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रसिक्त के लिए सन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिकल से एसे द्श्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) पूरी कन्स्ट्रकशन (बोम्बे) प्रा० लि०: (अन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकशन लि०.

(ग्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं॰ 102, पहली मंजिल, भ्रमोका शापिंग सेन्टर एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि कि में श्रिक्ट 1/37 है 1/3 1/3 1/3 1/3 1/3 को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/3 को रजिस्ट है किया गया है।

एम०सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

तारीख: 15-10-87

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-1 ए, बस्बई
बस्बई, दिनांक . 15 श्रक्तूबर, 1987
निदेश सं० श्रई-1ए/37ईई/311/86-87--अतः मुझे
एम० मी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित वाजार मृज्य 5,00,000/- राजपर से अधिक है

श्रीर जिसकी स० णाप नं० 223, पहली मंजिल, श्रशोका शापिंग सेन्टर एल०टी० रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशित्यम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-4-87

को पूर्विक्स सम्परित को उचिस बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का स्वाप्त प्रतिफल का स्वाप्त प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का स्वाप्त प्रतिकत से विधिक है बीर अन्तरक (अन्तरका) जोर (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वाम्यविक रूप में कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ंस) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-9---326GI/87

- (1) पूरी कन्स्ट्रकणन (बोम्बे) प्रा० लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकशन लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अवी के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनस्ची

शाप नं० 223 जो पहली मंजिल, श्रशोका शापिंग सेन्टर एल टी रोड, बम्बर्ड 400001 में स्थित है।

भ्रमुमूची जैसा कि कि से प्राप्त $\sqrt{2-10}/37$ ईई $/\sqrt{311}/86-87$ भ्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक $\sqrt{4-87}$ को रिजस्टई किया गया है।

ग्म०सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बम्बई

तारीख: 15-10-87

प्रकार कार्य हो । एवं , एवं ,-----

भावकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-भ (1) के कभीन स्थाना

भारत सरकार

श्रावांसय, सहायक वायकर नायुक्त (विरक्षिण) भर्नन रेंज-1ए, वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 15 भ्रम्तूबर, 1987

निवेश सं अई-1ए/37ईई/312/86-87--- प्रतः मुझे एम० सी० जोशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000//- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० शाप नं० 225, पहली मंजिल, श्रमोका शापिंग सेन्टर, एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षस प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4-4-87

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई जिसी बाव की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी भग भा अन्य आहितायों की, विश्वहाँ आहतीय आयकह अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय या या किया जाना वाहिए था, कियाने में सूबिक की विश्वहा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिक्ति स्यक्तियों, अर्थाता :----

- (1) पूरी कन्स्ट्रकमन (बोम्बे) प्रा० लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकशन लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूबोंकत सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ड बत संपति की अर्थन को संबंध में कार्य भी बाह्य :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए था सकोंगे।

न्यक्रीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

मन्त्रवी

शाप नं० 225, जो पहली मर्जिल, ग्रशोका शापिंग सेन्टर एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा की ऋ० सं० श्रई $-1\sqrt{37}$ ईई-311/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-87 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

एम०सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज 1 ए. बस्बर्फ

तारीख: 15-10-87

एम ०सी ० जोशी

प्रकृष आर्थ्य हो । एन । एन । एन ।

भायकर जीविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 प्रक्तूबर, 1987 निदेश सं० प्रई-1ए/37ईई/313/86-87—प्रतः मुझे

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के विधीन संश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 228, पहली मंजिल, श्रशोका के शापिक सेन्टर एल टी रोड़ बम्बई 400001 में स्थित है और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है शौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 4-4-87

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति नाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति नाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकां) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) वस्तारण है हुई किसी नाम की नावस करना श्रीध-वीधीनयम की अधीन कर वोने में बन्दरका के बावित्व में कहीं करने वा उसने न्याने में सुद्धिया के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या धन या बन्य बास्तियों की, विक्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोचनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) पूरी कन्स्ट्रकशन (बोम्बे) प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकशन लि॰। (अन्तरिती)

को सह स्वना बारी कर्यों पुनाँक्त सम्बत्ति को नर्जन को जिल् कार्यनाहियां करता हूं [ा]

जनत सम्परित के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ, में से किसी व्यक्ति खुबारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में दितवड्ड किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताभरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

लाकीकरण:—श्समें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का.,। भी उक्त अभिनियम के अभाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होता, जो उस अभ्याय में विका नथा ही।

अनुसूची

शाप नं० 228, जो पहली मंजिल, ग्रशोका शार्पिंग सेन्टर एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं० श्रई 1ए/37ईई/ 313 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-87 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ः अर्जन रेंजए-1, बम्बई

तारीख: 15~10-87

प्रकार वार्षः, धी., व्या., एव . -----

नायकर निर्माणनम्, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के नभीन क्वना

बाइत बहुकाड

कार्यात्रव, सहायक नावकर नावृक्त ([नरीकक)

श्चर्णन रेज 1, जम्बर्ट वम्बई, दिनाक 15 श्रक्तूबर, 1987 निदेश स० श्चर्ड~10/37ईई/314/86-87---श्चत मुझे एम०सी०जोशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इचर्ये इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 5,00,000 - रा में अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० णाप न० 224, पहली मजिल, श्रणोका णापिंग सेन्टर, एल टी रेडि, बम्बई 400001 में स्थित हैं श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रविनियम की धारा 269 के ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 4-4-87

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह निष्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. एसे दश्यमान प्रतिफल का निष्य है और संतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतरितियों) के नीय एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जान की नानत, उक्क वीधिनियन वे जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा वे किए; बीझ/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो की विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भर कर अधिनियम, दा भर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृक्षिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) प्री कन्स्ट्रकश्न (बोम्बे) प्रा० लि०।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकणन लि०। (ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी न्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकें ने ।

स्पट्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

समृत्ची

णाप न० 224, जो पहली मजिल, श्रलोका शापिग सेन्टर, एल टी रोड, बस्बई 400001 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-1ए/37ईई/314 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बेम्बई द्वारा दिनाक 4-1-86 को रिजस्टई किया गया है।

> एम० मी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन-रेज ए, बस्बई

तारीख 15-10-87 मोहर

प्रथम बाह्य न वर्षे । एन् , एक ना म न सम्बन

नावकार महितिन्य, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-व (1) में न्यीन स्म्या

THE STREET

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 15 प्रक्तूबर, 1987 निदेश मं० प्रई-1ए/37ईई/298/86-87--- प्रन: एम् ० मी ० जोशी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के नभीन तथन प्राविकारी को यह विस्ताय करने क कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति , विश्वका खीवत वाकार जुल्ब 5,00,000/- रु. से अक्षिक है

ग्रीर जिपकी सं० णाप न० 70 नल मंजिल, श्रणोका णापिग मेन्टर , एल टी रोड, बम्बई-400001 में स्थित है ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजस्ट्री है तारीख 4-4-87

को पूर्वोक्त संस्पीता को खीवत बाबार मुक्त वो कव को अस्परान अतिकास के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कारने का कारन है कि यंपापुर्वोक्त संपत्ति का उपिक गयाह ब्रुव, उक्ष हे कार्यमान प्रतिकास सं, एस कार्यमान विकास का रोनुक् प्रतिकास से निधन है जीर जन्मधन (जन्मधन) नीर बन्तरिक्षी (बन्तरितियाँ) १ बीच ए'से बन्तरव के किए तब बाबा गया प्रतिकास, जिल्लासिक उन्नवेश्य से स्वत अध्यास लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की नावत : उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्लरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर **अधि**नियम. 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया। गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा द रिसप्:

बत्न करन उच्य गरिनियम की यादा 269-व की, अवस्थात ⁴में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) पूरी कन्स्ट्रकशन (बोम्बे) प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) पूरी कन्स्ट्रकणन लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के क्षिण कार्यवाहियां करता है।

क्यत बन्दत्ति से बर्चन से सम्बन्ध में कोई नी नासीप हन्तर

- (क) इस स्थान के प्रवस्त में प्रकारण की रारीय ने 45 विक की नविध वा तत्त्वस्थानी व्यक्तिकों पर ब्यमा की प्रामीत से 30 दिए की जनभि, में भी अनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यॉक्ट व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति प्रवाद:
- (थ) इस तुमना के रायपन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध क्रिडी बच्च व्यक्ति हुवायः वशोहत्ताकरी के पाठ शिवित में किए वा तकोंने।

लकाकरनः---दत्तर्मे प्रयुक्त बन्दों बीर दद्यों का, को प्रका विधिविषयं के बभ्याय 20-क वें परिभाषित है, बड़ी बर्थ होना वो उत्त अभ्याय में विका न्या है है

नन्स्ची

शाप नं० 70 जो तल मंजिल, भ्रशोका शापिंग सेन्टर एल टी रोड़, बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैया कि क० मं० श्र^ह-1ए/37ईई/298/86-87-श्रार जो मधम प्राधिकारी द्वारा दिनाक 4-4-87 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० सी० जोशी मक्षम प्राधिकारी महायक भागकर भागुक्त (निरोक्षण) श्रजीन रेज-1ए, बम्बर

तारीख 15-10-87 मोहर]ः

धक्य बाह्यं हो, एत_ः एसः त - •

मानकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के मधीन सुमना

नारव गुरुवा

कामी तम, तहायक आधकर आयुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज 1 ए, वम्बई बम्बई, दिनांकः 15 अक्तूबर, 1987 निर्देश स० अई-1ए/37ईई/300/86-87-अत:मुझे, एम० सी० जोगी

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार जिस्त किथिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 5.,00,000 //- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या णाप न० 1, तल मजिल, अशोका शापिम सेंटर, एल० टी० रोड, बम्बई-400001 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 26 -3-1987।

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और गृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप का कि किया वहाँ किया पना है किया पना है किया वहाँ किया पना है किया पना पना है किया पना पना है किया पना है किया पना पना है किया पना ह

- (क) जलारण सं हुई किसी जाय की बावत उक्त जभिनियम् के जभीन कर दोने के जलारक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तिवीं की, जिन्हें भारतीय नामकार विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मात या चन-कर निश्चिमम, या चन-कर निश्चिमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था किया में प्रविभा के निए;

बत्त हर, अन्त विधिनियंत की धारा 269-व मी अव्यवस्थ हो, ही, उच्च विधिनियंत्र की धारा 269-व मी संवधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. मर्थात् :---

- पुरी कन्स्ट्रविशानन्स (बोम्बे) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2 रविन्द्र टेक्सटाईल।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध 🥍 कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख रों 45 दिन की जनिय या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना को तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व किसयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर खकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमाँ प्रयुक्त श्रद्धा और गर्धो का, जो उसके जिभितियम, के जभ्याय 20-क में परिभाणिक है, बही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया स्या है औ

मन्सूची

शाप नं 1, जो तल मंजिल, अशोका शापिंग सेंटर, एल विश्व रोड, बम्बई-400001 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई 1 ए/37ईई/300/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 21-3-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

तारीख: 15-10-1987

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE

New Delhi-110003, the 16th October 1987

No. 5/12/85-OL(S).—On recommendations of the Departmental Promotion Committee constituted under rule 7 of the Central Secretariat Official Language Service (Group 'A' and Group 'B' Posts) Rule, 1983, the President is plensed to appoint the following persons to the posts of Director (OL) in the scale of Rs. 3700-5000 on regular basis w.e.f. dates mentioned against their names:—

- S. No., Name, Date of regular appointment and Officer where working at present
 - Shri Jagdish Prasad Gupta-- 30-5-86, Ministry of Health & Family Welfare.
 - Shri O. P. Verma—8-4-86, Department of Telecommunications.

V. P. SINGH, Dv. Secy

BUREAU OF POLICE RESHARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 19th October 1987

No. 18/12/87-Adm. II.—Shri Sunil Kumar Bhattacharyya, a Deputy Superintendent of West Bengal Police is appointed as Deputy Superintendent of Police (Inspector) on deputation in the Central Detective Training School, Calcutta with effect from the forenoon of 1st September, 1987 for a period of one year in the first instance.

R S. SAHAYE, Dy. Director

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 15th October 1987

No. D. I-8/86-Rstt-I.—The services of Shri Abdul Mojid, Asstt. Commandant of this Organisation are placed at the disposal of Government of Uttar Pradesh on his selection as Addl. S. P. (Armr) on deputation basis with effect from the afternoon of 17-9 87.

The 16th October 1987

No. O. II-959/72-Estt. I.—Shri M. S. Nim, Assistant Commandant, 75 Bn., CRPF expired on 15-1-87. He is accordingly struck off the strength of the Force from 16-1-1987 (FN).

No. D. I-27/85-Estt, I.—The services of Dr. S. Gupta, S.M.O. of this Organisation are placed at the disposal of National Security Guards on his selection as Group Commander (Medical) on deputation basis with effect from the after noon of 31-8-87.

BHOLA NATH, Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 13th October 1987

Nl. E-15014/16/86-Pers. I—The following Section Officers of CISF HQRs are declared to have completed their period

probation satisfactorily and are confirmed in the grade of Section Officer with officet from the date indicated against each :-

SI Name of officer No				Date of Date of completion confirma- of tion as probation Section period satis- factority			
1	2			- —		3	4
S/S	 hri						
1. 3	S C. Gamblut					25-11-86	26-11-86
2.	V. Changrani					25-11-86	26-11-86
3.	S. N. Arora					16-6-87	17-6-87
					D	O. M. irector Ger	MISRA, neral/CISF

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas the 18th October 1987

I. No. BNP/C/5|87.—In compliance of the Central Administrative Tribunal judgement dated 6-8-86, Shri V. K., Kataria. Deputy Works Engineer (Mechanical) is appointed as Assistant Ingineer (Mechanical) on adhoe basis in the pre-revised scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Piess, Dewas (M.P.) for the period from 12-2-85 (FN) to 3-7-86 (AN) in the short term chain vacancy caused due to adhoe promotion of Shri D. R. Mansingh as Engipeer (Mechanical).

This adhoc appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis.

M.V. CHAR, General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I GUJARAT

AHMEDABAD-380001, the 16th October 1987

No. Estt(Λ)/GO/3(37)¹2155.—The Accountant General (Audit) I, Gujarat, Ahemdabad is pleased to appoint the following Assistant Audit officers to officiate as Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit) II Gujarat, at Rajkot with effect from the dates shown against each until luther orders.

I Shri S. S. Bhatt--1-10-1987 AN

The above promotions are made on adhoc basis and are subject to the final outcome of the Special Civil Applications No. 735 of 1980 and No. 388 of 1984 filed in the Honourable High Court of Gujarat and pending before the Central Administrative Tribunal, Ahmedabad.

No. Estt. (A)/GO/3(37) 2162.—The Accountant General (Audit) I, Gujarat, Ahemdabad is pleased to appoint the following Assistant Audit officer to officiate as Audit Officer in the Office of the Accountant General (Audit) II Gujarat, at Rajkot with effect from the dates shown against each until further orders.

Shri S. R. Ramanujam-14-10-1987 (FN).

The above promotions are made on adhoc basis and are subject to the final outcome of the Special Civil Applications

No. 735 of 1980 and No. 388 of 1984 filed in the Honourable High Court of Gujarat and pending before the Central Administrative Tribunal, Ahmedabad.

The 19th October 1987

No. Estt. (A) /GO/3(37) 2182.—The Accountant General (Audit) I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following Assistant Audit officers to officiate as Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit) Gujarat, ut Ahmedabad with effect from the dates shown against each until further orders.

Shri A. V. Vijayagopalan-19-10-1987 Afternoon.

The above promotions are made on adhoc basis and are subject to the final outcome of the Special Civil Applications No. 735 of 1980 and No. 388 of 1984 filed in the Honourable High Court of Gujarut and pending before the Central Administrative Tribunal, Ahmedabad.

> (Sd/- ILLEGIBLE) Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
> Office of the Accountant General (Audit) I.
> Gujarat, Ahmedabad-380001.

MINISTRY OF LABOUR (LABOUR DEPTI.) I.ABOUR BUREAU

Shimla-171 004, the 6th November 1987

xapuf aping sound values on Base industrial Workers on Base in 1960=100 increased by 9 points to reach 745 (Seven hundred forty five) for the month of September, 1987. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of September, 1987 works out to 905 (Nine hundred five).

> BALRAM Joint Director. Labour Bureau,

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALF INDUSTRIES)

New Delhi, the 19th October 1987

No. 12(27)/61-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Dr. S.B. Srivastava, Director, Small Industries Service Institute, Imphal has retired from government service with effect from the afternoon of 31-8-1987.

No. A-19018 (378) /79-Admn. (G).—The President is pleused to appoint Shri Om Prakash, Assistant Director (Grade I) (Leather/Footwear) Small Industries Service Institute Agra as Deputy Director (Leather/Footwear) at Small Industries Service Institute Hyderabad with effect from the forenoon of 16-9-87 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 20th October 1987

No. A-1/1(462).—Shri S. L. Sakhuja, permanenat Assistant Director (Gr. I) and officiating Deputy Director in the

office of Director of Supplies (Textiles) Bombay retired from Govt, service w.e.f. the afternoon of 30th Sept. 1987 on attaining the age of superannuation.

H. C. PREMI, Dy. Director (Admn.) .
For Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 16th October 1987

No. 5537B/A-19011(1-TRK)/86-19A—The President is pleased to appoint Shri Talluri Raja Kumar to the post of Geologist (Ir.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the foremoon of the 16-7-87, until further orders.

H. N. MEENA Director (Personnel) & Officers on Special Duty (Vigilance), for Director General

Calcutta-16, the 14th October 1987

No. 5508B A-19012(4-USD)/86-19B.—Shii U. S Dube, St. John Asstr (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- (Revised scale) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19th January, 1987, until further orders.

> H. N. MEFNA O. S. D. (Vig.) & Director (P) Geological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th October 1987

No. 5(21)/70-SI(B) =-The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. C. Nema Transmission Executive, All India Radio, Bhopal as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR. Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4(8)/87-SI(B) in a temporary capacity until further orders.

- 2. Shri I. C. Nema has taken over as Programme Executive with effect from 22nd Sept., 1987 at Ali India Padio. Bhopal.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.
- No. 5(40)/70-SI(B)—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M Bhaskaran Transmission Executive, All India Radio, Calicut as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI(B) dated 28-8-1987 in file No. 4(8)/87-SI(B) in a temporary capacity until further location. ther' orders.
- 2. Shri M. Bhaskaran has taken over as Programme Executive with effect from 9th Sept., 1987 at All India Radio. Trivandrum.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme accurive are Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 and Executive and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 pectively,

No. 5(64)/70-SI(B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. V. Potti Transmission Executive, All India Radio, Trichur as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR. Order No. 79/87-SI(B) datd 28-8-1987 in file No. 4(8)/87-SI(B) in a temporary capacity until Turther orders.

- 2. Shri R. V. Potti has taken over as Programme Executive with effect from 15th Sept., 1987 at All India Radio, Calient.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-JB-35-880-40-1000-EB 40-1200 respectively.
- No. 5(76)/70-SI(B).—The Director General. All India Radio, hereby appoints Shri A. S. Govilkar Transmission Executive. All India Radio, Pune as Programme Executive on noticnal basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR. Order No. 79/87-SI(B) dated 28-8-1987 in file No. 4(8)/87-SI(B) in a temporary capacity until further orders.
- 2. Shi A. S. Govilkar has taken over as Programme Executive with effect from 18th Sept., 1937 at All India Radio, Panaji.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.
- No. 5(131)/70-SI(B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S M. Raniga Transmission Frecutive, All India Radio, Rajkot as Programme Precutive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI(B) dated 28-8-1987 in file No. 4(8)/87-SI(B) in a temporary capacity until further orders.
- 2. Shri S. M. Raniga has taken over as Programme Executive with effect from 11th Sept., 1987 at All India Radio. Ahmedabad.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 respectively.
- No. 5 (24) /72-SI (B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri A. V. Subha Rao Transmission Executive, All India Radio, Aurangabad as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4 (8) /87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.
- 2. Shri A. V. Subha Rao has taken over as Programme Executive with effect from 10th Sept. 1987 at All India Radio, Vijayawada.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Frecutive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.
- No. 5 (21)/72-SI (B).—The Director General. All India Radio, hereby appoints Shri Girindra Prasad Transmission Executive. All India Radio. Ranchi as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG 4IR. Order No. 79/87-SI B dated 28-8-1987 in file No. 4 (8)/87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.
- 2. Shri Girindra Prasad has taken over as Programme Executive with effect from 17th Sept. 1987 at All India Radio,
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and

Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.

The 15th October 1987

No. 5 (23)/70-SI (B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. D. Choudhary, Transmission Executive, CBS, All India Radio, Patna as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4 (8)/87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.

- 2. Shri R. D. Choudhary has taken over as Programme Executive with effect from 11-9-1987 at All India Radio, Ranchi.
- 3. The revised and pro-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 respectively.
- No. 5 (12)/71-SI (B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri G. Sampath, Transmission Executive, All India Radio, Tirunelvelli as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4 (8) /87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.
- 2, Shii G. Sampath has taken over as Programme Executive with effect from 9th Sept., 87 at All India Radio, Tirunelvelli.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.

The 19th October 1987

No. 5 (20)/71-SI (B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. P. Patil, Transmission Executive, All India Radio, Bombay as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4 (8)/87-SI (B) in a temporary capacity until further orders

- 2. Shri C. P. Patil has taken over as Programme Executive with effect from 28-9-1987 at All India Radio, Nagpur.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 respectively.
- No. 5 (101) /70-SI (B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri U. S. Gupta, Transmission Executive, All India Radio. Gorakhnur as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4 (8) /87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.
- 2. Shri U S. Gupta has taken over as Programme Executive with effect from 5th Sept., 87 at All India Radio, Agra

3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.

The 20th October 1987

No. 5 (41)/70-SI (B).—The Director General. All India Radio, hereby appoints Shri S. K. Mondol, Transmission Executive, All India Radio. Calcutta as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No 4 (8)/87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.

- 2. Shri S. K. Mondol has taken over as Programme Executive with effect from 4-9-1987 at All India Radio, Siliguri.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Fxecutive are Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.

No. 5 (55)/70-SI (B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Budh Prakash, Transmission Executive, CBS, All India Radio, New Delhi as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4 (8)/87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.

- 2. Shri Budh Prakash has taken over as Programme Executive with effect from 5-9-1987 at All India Radio, Rohtak.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Fxecutive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 respectively.

No. 5 (58)/70-SI (B).—The Director General. All India Radio, hereby appoints Shri S. N. Sonavane, Transmission Executive, All India Radio, Bombay as Programme Executive on notional basis with effect from 18-4-1983 in terms of DG: AIR, Order No. 79/87-SI (B) dated 28-8-1987 in file No. 4 (8)/87-SI (B) in a temporary capacity until further orders.

- 2. Shri S. N. Sonavane has taken over as Programme Executive with effect from 18-9-1987 at All India Radio, Nagpur.
- 3. The revised and pre-revised pay-scales of Programme Executive are Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 and Re 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 respectively.

Dy. Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th October 1987

No. 1/39/87-SII.—Consequent upon his promotion to the mide of Administrative Officer. Shri V. S. Nagmothe has assumed the charge of his post in the office of the superinter ling Engineer, national Channel All India Radio, Nagpur, we f. the forenoon of 24-9-87.

I. S. PANDHI Dy. Director of Administration for Director General

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 15th October 1987

No M/2882/Med/Fstt. I/5762.—Dr. (Kum) Bhavana Ramanlal Mistry relinquished charge of the post of Resident

Medical Officer (FTA) on 31-8-1987 AN consequent on resignation.

K. VFNKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE: BOMBAY-III

Bombay-400 028 the 16 October 1987

No. II/37-26/86 T. H.T./14606—The following Inspectors of Control Excise have on their promotion assumed charge as Olliciating superintendents Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Bombay-III with effect from the date shown against their names.

S, Name					•	Date of assumption of charge.
S/Shri						
1 M.S. Dosai		,	, .			20-5-87 F. N.
2. P.Y. Kale						20-5-87 F. N.
3. P.B. Gupta						20-5-87 F. N.
4. M.S. Shetty						20-5-87 F. N.
5. M.B. Joshi	,					20-5-87 F. N.
6. Smt, S.P. Desh	pand	lo .		•		20-5-87 F. N
7. M.V. Joshi					-	20-5-87 F. N
8. A.S. Rohira				-	-	21-5-87 F. N.
9. S.R. Munoli			•		•	21-5-87 F. N.
10. D.M. Baknetti		•	•			21-5-87 F. N
11. R.K. Nair						21-5-87 F. N.
12. B.S. Mulchand	lani					21-5-87 F. N
13. M.W. Bhise		,	,			03-06-87 F. N.
14. D.D. Somani			-	•		31-07-87 F. N.)

R. K. THAWANI,

Collector

Central Excise : Bo

Bombay-III.

CFNTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 15th October 1987

No. 19012/1179/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Dilin Kumar Som. Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100 3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier with effect from the forenoon of 1/9/1986.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad (Haryana), the 21st October 1987

No. 3-83/87-CH-Estt.—Shri Alaparthi Sreenivas is appointment as Assistant Hydrogeologist C.G.S. Group-B (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- per month in

the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/on temporary basis in the Central Ground Water Board, Nor.h Central Region, Bhopal w.e.f. 9-9-87 (FN), till further orders.

B. C. P. SINHA Chief Hydrogeologist & Member FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Purt Constructions (Bombay) P. Ltd. (Transferor)

(2) P. P. Cotton Syndicate

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. ΔR -1 Δ /37EF/299.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Shop No. 46, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent authority at Bombay on 26-3-87

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, h respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorpable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 46 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, I.T. Rond, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No A.R. 1A/37FE-299/86-87 on 26-3-1987.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 15th October, 1987

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Puri Constructions (Bombay) P. Ltd. (Transferor)

(2) P. P. Cotton Syndicate

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IA. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/371-F/298/86-87 —Whereas, J, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Shop No. 43. Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-

1, situated it Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-3-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tay Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 43 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. JA/37EE-298/86-87 on 26-3-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afterestid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :---

Dated: 15th October, 1987

FORM I.T N.S.

(1) M/s, Puri Constructions (Bombay) P. Ltd. (Transferor)

(2) Arjun Textiles

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/301 —Whereas, I. M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
Shop No. 42, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1, situated at Rombay

1, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 42 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 42 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. IA/37EE-301/86-87 on 26-3-1987.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated . 15th October, 1987 Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction 1td.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/315/86-87 —Whereas. I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 49 on Ground floor, Ashoka Shopping Centre, LT.

Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing No. Shop No. 49 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/315/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-LA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 15-10-1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Puri Construction Itd.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-1A/316/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 16 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections if, any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 16 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road. Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37FE/316/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Dated: 15-10-1987

FORM I.T.N.S.—

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-IA/317/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing
Shop No. 83 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, I.T. Road, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-1-87

the Competent Authority at Bombay on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 83 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/317/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

> > 5

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :--

Dated: 15-10-1987

Seal:

11-326GI/87

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NOTICE TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ÓFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/318/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Shop No 71 on Gr. sloot, Ashoka Shopping Centre. L.T.

Road. Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Bombay on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not occur trally stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfert, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Puri Constructions (Bombay) P. Ltd.
- (2) Pun Construction Ltd.

(Transferor)

('11 insferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 71 on G). floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, deemed to be registered under No. ARIA 371F, 318/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Dated: 15-10-1987

Scal:

(1) M/s. Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puti Construction Ltd

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/319/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 43 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 43 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, I T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/319/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 15th October, 1987

FORM I.I.N.S.-

- (1) M/s. Puri Constructions (Bombay) F. Ltd. (Transferor)
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/320/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 52 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wihin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 52 on Gr. floor, Ashoka -Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/320/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:

Dated · 15th October, 1987 Seal:

FORM I.T.N.S.———

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA. **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/321/86-87.--Whereas, I.

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing No.
Shop No. 84 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, 1.T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s. 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the twin

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 84 on gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/321/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salet Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 15th October, 1987.

(1) Pun Construction (Bombay) P. Ltd.

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/277/86-87.--Whereas, I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00.000 and bearing No.

Shop No. 69 on floor, Ashoka Shopping Centre L. T. Road, Bombay-400 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 69 on floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/277/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Date: 15th October, 1987.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-1A/278/86-87.-Whereas, I. M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 9161 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Shop No. 61 on ground floor. Ashoka Shopping Centre,
1. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u.s. 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that, the fair market value of the property as afors aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 61 on gr. floor, Ashoka . Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/278/86-87 on 4-4-87,

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA. Bombay

Date: 15th October, 1987. Seal:

- (1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/279/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

M. C. 10SH1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 127 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u./s. 269AB

has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULED

Property bearing No. Shop No. 127 on gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/229/86-87 on 4-4-97.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15th October, 1987.

FORM ITNS (1) Puri Constru

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1A, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/280/86-87,—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 2 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule-annexed herto) has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publisation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 84 on gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/280/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:

12 —326GI/87

Date: 15th October, 1987.

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/281/86-87.—Whereas, I, M. C JOSHI,

M. C JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 103 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s, 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 103 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, I. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/281/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Date: 15th October, 1987.

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/282/86-87.—Whereas, I.

M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. 132 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair masket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 132 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/282/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Date: 15th October, 1987.

Scal::

FORM I.T.N.S .---

(1) Puri Constituction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Pull Construction Ltd

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JA, **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/283/86-87.--Whereas, I, M. C. JOSHI,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 40 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bembay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule-annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid property the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideratio nand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which are to be disclosed by the transferee for purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 40 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/283/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Date: 15-10-1987.

-<u>, was and brain water and a company</u> (1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

WOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/284/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 86 on ground floor. Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared board).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the position has not been truly stated in the solid instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I A) LANATION :---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 86 on ground floor, Ashoka Shopring Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/284, 86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Date: 15th October, 1987.

Scal::

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/285/86-87.—Whereas. I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 138 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre,
I. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid property by the issue of this notice under sub-secment than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 138 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/285/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range IA,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, massely:—

Date: 15th October, 1987.

FORM I.T.N.S.

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA.

ROMBAY

Bombay, the 15th October 1987

AR-IA/286 /86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act') have reason to believe that the immer-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 52 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-87

Authority, Bombay on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 52 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, I. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/ 37FE/286/86-87 on 4-4-87.

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any monovs or other assets which have not been or which exists to be disclosed by the true he purposes of the Indian Income-tox Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1997);

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 15-10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Pure Construction Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Rcf. No. AR-IA/287/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Shop No. 64 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Hombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the storesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentracut of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this petice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever persons expires and re-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 64 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EF/287 86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15 10-1987

FORM ITNS-

- (1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/288/86-87.—Whereas, I,
M. C. JOSHI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 45 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T.
Road, Bombay-400 001 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered u/s. 269AB
of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent
Authority at Bombay on 4-4-87
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the censideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1954):

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 45 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/ 37FE/288/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Aquisition Range IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

13-326GI/87

Date: 15-10-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA, **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-JA/289/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI.

M. C. JUSHI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 68 on Gr. floor, shoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-87

Authority at Bombay on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 68 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay, doemed to be registered under No. ARIA/ 37EE/289/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority In specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 15-10-1987

FORM I.T.N.S.---

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IA, **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No AR-IA/290 86-87.—Whereas, 1,

M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No
Shop No. 15 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centic, L. T
Road, Bombay-400 001 situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

and/or

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer;

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property beating No. Shop No. 15 on Gr. floor, Ashoka Shopping Centre. I. T. Road. Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/290/86-87 on 4 4 87.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-10-1987

FORM NO, ITNS--

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-JA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No ΔR -IA/291 86-87 —Whereas, I, M. C JOSHI,

M. C. JUSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property have a fair market value exceeding Rs. I lakh and bearing No Shop No. 26 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, LT Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered uffls. 269 AB

Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered uffls. 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4 1987 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THEC SCHEDULE

Property bearing No Shop No. 26 on 2nd floor, Asoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA, 37EE 291/86-87 on 4 4-1987.

M. C JOSHI
Connectent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA
Bombay

Date: 15-10-1987

- (1) Puri Construction (Bombay) Ltd.
- (Transferor)
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA ROMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA 292/86-87.—Whereas, 1,

M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 55 on 2nd floor Ashoka Shopping Cebtic, L. T. Road, Bombay-400 001

Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s. 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THEC SCHEDULE

Property bearing No. 55 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/292/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 15-10-1987

FORM IINS-

(1) Puri Construction (Bombay) Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

- (Transferor)
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/293/86-87,---Whereas, I,

м. с. јоѕні,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 89 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s. 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Compe-

tent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fuir maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THEC SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 89 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/293/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1987

FORM NO. ITNS----

(1) Puri Construction (Bombay) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-[A '294/86-87.—Whereas, I, M, C JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 100 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T.

Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered uffls. 269 AB

of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the reason to be a second to be a s exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19.77);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THEC SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 101 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, I. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/294/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-10-1987

Scal:

FORM ITNS----

(1) Puri Construction (Bombay) Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No.AR-IA/295/86-87.--Whereas, I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 100 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001

Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and the same is registered uffls. 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THEC SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 100 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, 1. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/295/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition RangelA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub- (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

NOTICI. UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOBERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref No. AR-IA/296/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 133 on floor, Ashoka Shopping Centre L.T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

14-326GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immov able propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 133 on floor, Ashoka Shopping Centre, I T. Road. Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/296/86-87 on 4-4-1987

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA
Bombay

Date: 15-10-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OAF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/297/86-87 —Whereas, 6, M. C. JOSHI,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 134 on floor,
Ashoka Shopping Centre L.T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that 'Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 134 on floor, Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/297/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date : 15-10-1987 Seal:

The same of the same of the same of the same of

FORM ITNS-

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/264/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the impossible property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 101 on 1st floor,

Ashoka Shopping Centre L.T. Road, Bombay-400 001

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Ac, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 101 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/264/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date : 15-10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/260/87-87.—Whereas, I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-

she property having a fair market value exceeding Ry. 1,00,000/- and bearing Shop No. 222 on 1st floor,
Ashoka Shopping Centre L I. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (apd more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fair nacket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writin gto the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in one said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 222 on 1st Shopping Centre, L. F. Road, Bombay-400 001 222 on 1st floor, Ashoka

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. ARIA/37EE 260 80-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date + 15 10-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

8787

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THIS INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-1A/261/86-87.--Whereas, I.

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 24 on 2nd floor,
Ashoka Shopping Centre L.T. Road, Bombay-400 001
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987

Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 24 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/261/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 1 15 10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/262/86-87.—Whereas, I, f. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Shop No. 227 on 1st floor,
Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to the consideration of the property as aforesaid to the consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property bearing Shop No. 227 on 1st f Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001. 1st floor,, Ashoka

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-1A/37EE/262/86-87 on 4-4-1987

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM NO. ITNS-

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Itd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-JA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/263/86-87.--Whereas, I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Shop No. 25 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre. I. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;----

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 25 on 2nd fle Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001. floor, Ashoka

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/263/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-10-1987

- (1) Puri Construction (Bombay) Pvt Ltd.
- (Transferor)
- (2) Parl Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-JA/265/86-87 —Whereas, I, M. C. JOSHI,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 212 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section

has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more taken fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 212 on 1st floor, Ashoka, Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/265/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 15-10-1987

PART III -SEC. 11

FORM ITNS-

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(2) Pari Construction Ltd.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/226/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Shop No. 174 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the between the consideration for such transfer as agreed to been the parties has not been truly stated in the said interpret of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tal under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--15-326GI/87

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 174 on 1st floor, Shopping Centre, L.T. Road. Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/266/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 15-10-1987

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/267/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 53 on 2nd floor,
Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the effice of the Comptent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 53 on 2nd floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. AR-IA/37EE/267/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows: persons, namely :--

Date: 15-10-1987

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombav, the 15th October 1987

Ref. No. AR-1A/272/86-87.---Whereas, 1, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. Shop No. 65 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1261 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 65 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/272/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Autthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pur Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA ROMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No Al M. C. JOSHI, AR-IA, 271, 86-87 --- Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Shop No. 88 on floor, Ashoka Shopping Centre,
L.T. Road, Bombay-400 001,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from, the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 83 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37FE/274 86-87 on 4-4-87.

> M C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property bf the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-1987

Seal .

FORM ITNS-----

(1) Puti Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/270/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No No. Shop No. 54 on floor, Ashoka Shopping Centre.

L.T. Road, Bombay-400 001,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

Anthority, Bombay, on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immove-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 54 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombav-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/270/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-10-1987

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/269/86-37,-Whereas, I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Shop No. 87 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not bom or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 87 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/269/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-10-1987

- (1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Rcf. No. AR-IA/268/86-87.--Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Shop No. 42 on floor, Ashoka Sh opping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001, structed at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay test under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 42 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/371-E/268/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

Date: 15-10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/273/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 172 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001, situated at Bombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of: with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 172 on floor. Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/273/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 15-10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction itt

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-JA/274/86-87.—Whereas, I, M. C. JQSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 211 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001,

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule anenxed hereto). has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent consideration and that the inference and apparent consideration interestor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said A ct, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—326GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 211 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/274/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ins Acquisition Range-IA. Bombay

Date: 15-10-1987

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons;

(b) by any other person interested in the said immovable

cation of this notice in the Official Gazette.

property, within 45 days from the date of the publi-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA

BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/275/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 136 on floor, Ashoka Shopping Centre,

Shop No. 136 on hoor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Property bearing No. Shop No. 136 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001,

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay deemed to be registered under No. ARIA/37EE/275/86-87 on 4-4-87.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ertice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/276/86-87,---Whereas, 1,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No 137 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-87 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property bearing No. Shop No. 276 on floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/137/86-87 on 4-4 87.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IA ВОМВЛҮ

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-IA/302, 86-87.--Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No No. Shop No. 88 on 2nd door, Ashoka Shopping Centre.

L.T. Road, Bombay-400 001, situated at Bombay

(and mor fully described in the Schedule-annexed hereto), has been transferred and the same is registered in \$ 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay, on 4-4-87

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weshin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this netice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 88 on Gd. floor, Ashoka Shopping Contre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. 37EF 310/86-87 on 4-4-1987.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 15-10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the15th October 1987

Ref. No. AR-IA 303/86-87 -- Whereas, I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000,- and beating Shop No. 213 on 1st floor, Ashoka Shopping Centie, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Famely:—

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 213 on 1st floor, Ashoku Shopping Centre, I T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/303/86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date 15-10-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the15th October 1987

Ref. No. AR-IA/304/86-87.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 215 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule-annexed herto) has here here transferred and the second in the Schedule-annexed by 260AB

has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent conideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 215 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37E12,304/86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inftiate proceedings for the acquisition of the aforecald property by the jetue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-1987

FORM I.T.N.S.—

(1) Puri Construction (Bombay) P. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Puri Construction Itd.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1987

Rei. No AR-14 305/86-87.—Whereas, I. M. C. JOSHI,

M. C. JUSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 103 on 1st/F floor, Ashoka Shopping Centic. I. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered it/s. 269AB

has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfera

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said homeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 103 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L T Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA/37EE/305 86-87 on 4-4-87.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 15-10-1987

(1) Puri Construction (Bombay) P. I.td.

(Transferor)

(2) Puri Construction Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferees. (Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property a may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Bombay, the 15th October 1987

Ref. No. AR-1A/306/86-87.—Whereas, I,

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immov-

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

as the said Act i have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 67 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre. L. T. Road, Bombay-400 001 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. Bombay on 4-4-1987 Authority, Bombay on 4-4-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe ras agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing No. Shop No. 67 on 1st floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, deemed to be registered under No. ARIA '37EL /306 '86-87 on 4-4-87.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 15-10-1987